आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ...

जय हिन्द

26 JANUARY HAPPY REPUBLIC DAY

● वर्ष- 16 अंक 353 -● जबलपुर ● गुरुवार, 26 जनवरी, 2023 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● माघ शुक्ल पक्ष 5 ● विक्रम संवत् 2079 शके 1935

74वां गणतंत्र दिवस

राष्ट्रपति मुर्मु ने तिरंगा फहराया

मेड इन इंडिया तोपों से दी गई 21 बार सलामी

नई दिल्ली, ईएमएस । राजधानी दिल्ली में आज कड़ी सुरक्षा के बीच गणतंत्र दिवस की परेड का आयोजन किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस के मौके पर पहली बार कर्तव्य पथ पर परेड हो रही है। इससे पहले इसे राजपथ के नाम से जाना जाता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी का कर्तव्यपथ पर स्वागत किया। देश में आज पहली बार किसी महिला आदिवासी राष्ट्रपति ने परेड की सलामी ली। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और उसके बाद 21 तोपों की सलामी के साथ राष्ट्रगान हुआ और फिर परेड की शुरुआत हो गई। इससे पहले गुरुवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद वे वार मेमोरियल गए और शहीदों को श्रद्धांजलि दी। कर्तव्य पथ पर पहली बार मार्चिंग मिस्र के सशस्त्र बलों का संयुक्त बैंड और मार्चिंग दल है। दल का नेतृत्व कर्नल महमूद मोहम्मद अब्देल फत्ताह एल खारासावी ने किया। लेफ्टिनेंट कमांडर दिशा अमृत के नेतृत्व में 144 युवा नाविकों की नौसेना टुकड़ी ने आकस्मिक कमांडर के रूप में कर्तव्य पथ पर मार्च किया। इतिहास में पहली बार मार्च करने वाली टुकड़ी में 3 महिलाएं और 6 पुरुष अग्निवीर शामिल हैं। आतंकी हमले की खतरे के मद्देनजर राजधानी दिल्ली में चप्पे चप्पे पर पुलिस और

सुरक्षाबलों के जवान तैनात है और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। अब से कुछ देर पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

जबलपुर में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया

सीएम बोले- इस साल 1 लाख से ज्यादा नौकरियां देंगे

जबलपुर, यशभारत। देश आज गणतंत्र दिवस की 74वीं वर्षगांठ मना रहा है। हर्षोल्लास और उत्साह के बीच गणतंत्र दिवस का जिले का मुख्य समारोह पहली बार सदर स्थित गैरिसन ग्राउंड में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए है। समारोह में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस दौरान उन्होंने कहा- भारत को स्वतंत्र कराने के लिए जिन क्रांतिकारियों ने अपना सबकुछ न्यौछावर कर दिया, उनको बारंबार प्रणाम। भारत प्राचीन और महान राष्ट्र है। हजारों साल पुराना इतिहास हमारा है। जब दुनिया के विकिसत राष्ट्रों में सभ्यता का सूर्य उदय नहीं हुआ, तब हमारे यहां वेदों की रचना हो गई थी। दुनिया को ज्ञान, प्रेम, आत्मीयता का संदेश भारत ने दिया। मुझे बचपन याद आ रहा है। तब हम एक गाना सुनते थे- कल का हिंदुस्तान जमाना देखेगा...। आज मैं कह रहा हूं कि कल यह गीत था, आज गर्व के साथ कहता हूं कि कल का यह गीत आज जमाना देख रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का निर्माण हो रहा है। भारत तेज गति से प्रगति कर रहा है। सीएम ने घोषणा करते हुए कहा कि नर्मदा परिक्रमा पथ और नर्मदा कॉरिडोर का तीन चरणों में विकास किया जाएगा, जो अद्भुत होगा । सामाजिक समरसता के साथ सभी वर्ग के कल्याण के मंत्र के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। इस साल एक लाख से अधिक सरकारी नौकरियों की भर्ती की जाएगी। मैं चाहता हूं कि सिर्फ सरकारी नौकरी नहीं, बेटे-बेटियां अपना रोजगार भी शुरू

कहा- नर्मदा परिक्रमा पथ, कॉरिडोर का अद्भुत विकास करेंगे

करें। हमारा संकल्प है कि गांव में रहने वाली बहनों की भी आय 10000 महीना होनी चाहिए। बच्चों आप नौकरी मांगने वाले नहीं, देने वाले बनें, इसलिए मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना है। स्टार्टअप के लिए एक करोड़ रुपए की सहायता दी जाएगी। गांव में सीएम राइज स्कूल बना रहे, बच्चे देश आजाद हुआ, अंग्रेज चले गए, लेकिन अंग्रेजी बनी रही। जब दूसरे देश अपनी भाषा में उच्च शिक्षा की व्यवस्था कर सकते हैं, तो हम क्यों नहीं? मध्यप्रदेश में ऐतिहासिक कदम बढ़ाया और मेडिकल व इंजीनियरिंग की पढ़ाई की हिंदी में शुरुआत की। गांवों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए 20 से 25 किमी के दायरे में सीएम राइज स्कूल बना रहे हैं। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट क्लास, लैब, लाइब्रेरी और प्ले ग्राउंड यहां सब होगा। बच्चे बस से स्कूल पढ़ने आएंगे। हमने मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना बनाई, अब मैं इस योजना का विस्तार कर रहा हूं। अब किसी भी कारण से अगर किसी बच्चे के माता-पिता नहीं है, तो यह सरकार की जिम्मेदारी होगी कि उन बच्चों के आवास और शिक्षा दीक्षा की व्यवस्था करे।

मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश सभी क्षेत्रों में ऐतिहासिक प्रति कर रहा है। हमारी विकास दर सतत बढ़ रही है, कृषि में हमारे किसानों ने चमत्कार कर दिया है। वादा करता हूं कि मध्यप्रदेश सबसे बेहतरीन सड़कों का राज्य बनेगा। मध्यप्रदेश की विकास दर 19.76 प्रतिशत है। प्रचलित दरों पर हिंदुस्तान में सबसे तेज विकास की दर हमारे प्रदेश की है। देश की अर्थव्यवस्था में कभी प्रदेश का योगदान 3.6 प्रतिशत होता था, जो बढ़कर 4.6 फीसदी हो गया है। **हम सौर ऊर्जा से भी बिजली बनाएंगे...**

हमारा संकल्प है कि हर घर सोलर पैनल लगे और धीरे-धीरे घर की जरूरत की बिजली घर में ही बनने लगे। पानी, बिजली, सड़क या शिक्षा हो, मध्यप्रदेश बेहतर कार्य कर रहा है। बिजली के क्षेत्र में मध्यप्रदेश सरप्लस स्टेट बन रहा है। अब कोयले और पानी से ही नहीं, हम सौर ऊर्जा से भी बिजली बनाने की दिशा में लगातार आगे बढ़ हैं। ओंकारेश्वर में फ्लोटिंग सोलर प्लांट स्थापित किया जाएगा।

जबलपुर के लिए औद्योगिक क्षेत्र बसाया जाएगा...

संस्कारधानी जबलपुर में यह बताते हुए मुझे प्रसन्नता है कि एक औद्योगिक क्षेत्र जबलपुर में भी बसाया जाएगा। यहां गारमेंट्स और टेक्सटाइल की यूनिट बनेगी, रहवासी प्लॉट्स भी होंगे, यहां होटल, हॉस्पिटल और मॉल के लिए भी जगह होगी। एक ग्लोबल स्किल पार्क राजधानी भोपाल में बन रहा है। दूसरा स्किल पार्क संस्कारधानी जबलपुर में बनाया जाएगा।

यशभारत में ध्वजारोहण गूंजा जन-गण-मन

जबलपुर, यशभारत। शताब्दीपुरम स्थित यशभारत कार्यालय में 74 वां गणतंत्र दिवस जिले भर में हर्षोल्लास और उत्साह से मनाया गया। संस्थापक आशीष शुक्ला, बेटी यशिका इशानी शुक्ला और वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण अग्रहरि ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर देश प्रेम से परिपूर्ण राष्ट्रगान जन गण मन और भारतमाता के जयघोष से परिसर गूंज उठा। यशभारत परिवार के अभिषेक शुक्ला,अजेय शुक्ला,रवि चौबे, आशीष तिवारी, नीरज उपाध्याय,रजनीश परोहा,सुरेश वर्मा,अनिल पांडे,राहुल शर्मा, अनूप तिवारी, राकेश मालवीय, जितेन्द्र वर्मा, मूरत कनोजिया, चिंटू शर्मा,किशन विश्वकर्मा,मुकेश नवेरिया, श्याम, डेनियल, देवी सिंह, बाबू, बबलू रजक आदि मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

राष्ट्रीय महापर्व गणतंत्र दिवस पर यश भारत परिवार की ओर से सुधि पाठकों ,अभिकर्ताओं, एजेंटों, समाचार पत्र विक्रेताओं और शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

-संपादक

अवकाश सूचना

गणतंत्र दिवस पर यश भारत कार्यालय में 27 जनवरी को अवकाश रहेगा। अगला अंक 28 जनवरी को प्रकाशित होगा।

-प्रबंधक

कांग्रेस का हाथ से हाथ जोड़ो अभियान आज से

पार्टी की आम जनता से जुड़ने की कोशिश, सरकार की नाकामियों की लिस्ट सौपेंगी

नई दिल्ली, ईएमएस। भारत जोड़ो यात्रा के बाद कांग्रेस 26 जनवरी यानी आज से देशभर में 'हाथ से हाथ जोड़ो' कैंपेन शुरू करेगी। इस अभियान के दौरान पार्टी आम जनता से जुड़ने की कोशिश करेगी। इसके लिए राहुल गांधी ने जनता के नाम एक पत्र लिखा है। इसमें कांग्रेस के नेतृत्व में एक स्वर्णिम भारत का वादा किया गया है। इस पत्र को कांग्रेस पार्टी घर-घर ले जाकर लोगों को सौंपेगी। इसके अलावा पार्टी कार्यकर्ता देशभर के 6 लाख गांवों और 2.5 लाख ग्राम पंचायतों के 10

लाख मतदान केंद्रा के हर घर तक पहुंचेंगे और मोदी सरकार की नाकामियों की चार्जशीट पहुंचाएगी। यह अभियान 26 मार्च को खत्म होगा। बता दें कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा अंतिम पड़ाव में है। 7 सितंबर 2022 को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई यात्रा 19 जनवरी को जम्मू-कश्मीर पहुंची। 125 दिन में राहुल देश के 13 राज्यों से गुजरे। यात्रा 30 जनवरी को खत्म होगी। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता जयराम रमेश ने हाथ से हाथ जोड़ो अभियान की जानकारी दी। कांग्रेस नेता आरसी खुंटिया ने पिछले गुरुवार को कहा कि यह राहुल गांधी और कांग्रेस का सबसे बड़ा अभियान है। इसकी जानकारी होने के बाद भी अगर कांग्रेस का कोई नेता, पदाधिकारी या सांसद इसमें शामिल नहीं होता है तो यह गंभीर होगा।

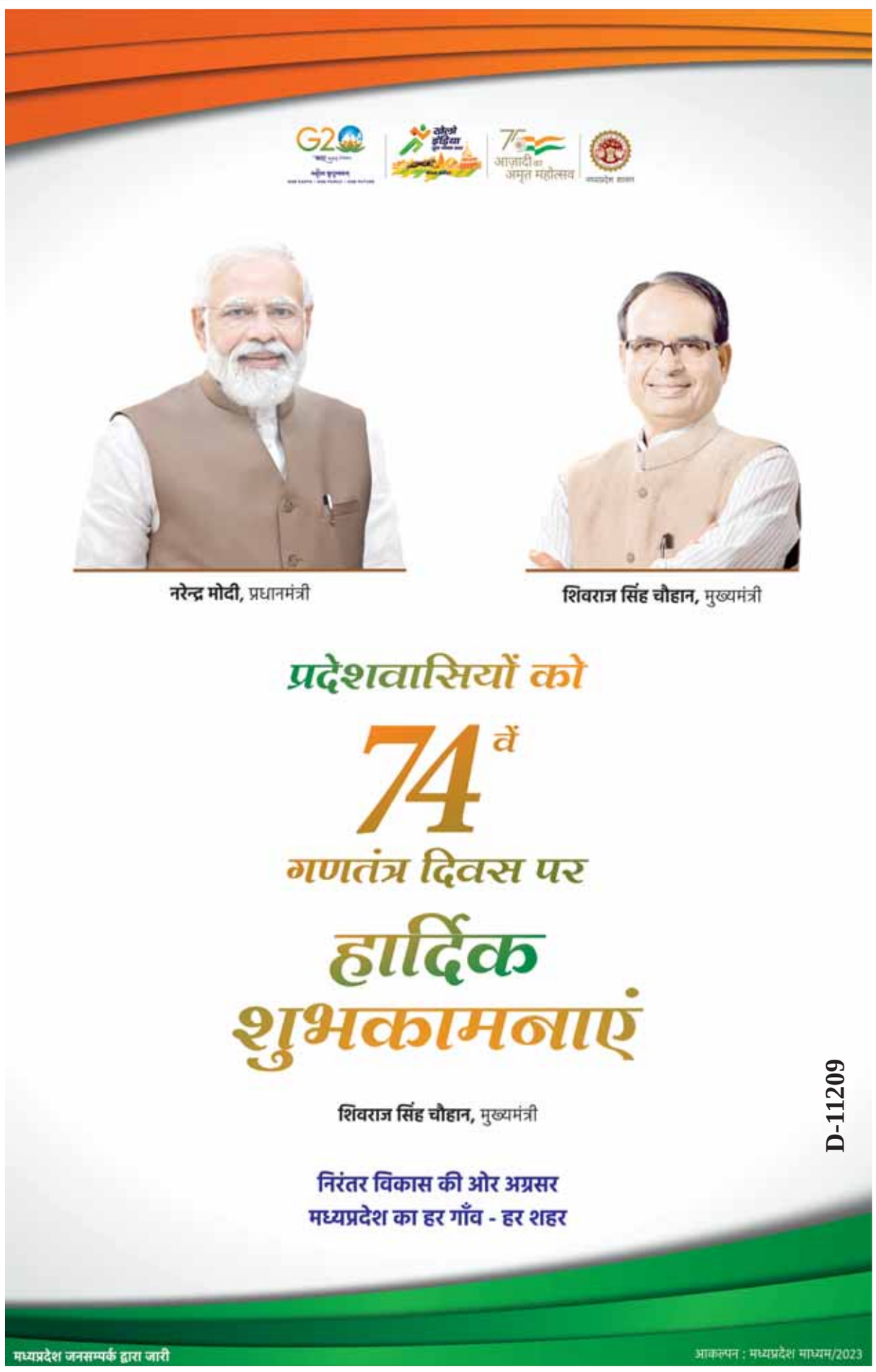

जिला प्रशासन एवं इंडियन रेडक्रास सोसायटी का बच्चों विशेष संवाद कार्यक्रम

शिवराज सिंह चौहान ने बच्चों से कहा-खूब पढ़ो, लिखो और खेलो भी

जबलपुर, यशभारत। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जिला प्रशासन एवं इंडियन रेडक्रास सोसायटी जबलपुर के तत्वावधान में आज बुधवार की शाम दमोहनाका स्थित बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल के सामने आयोजित कार्यक्रम में पहुंचकर बच्चों से विशेष संवाद किया। सीएम ने हृदय संबंधी रोगों से ठीक हुए बच्चों से कहा कि वह खूब पढ़े, खूब लिखे और खेल भी। कार्यक्रम में वे बच्चे शामिल हैं जो हृदय संबंधी रोगों से पीड़ित थे और मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के तहत इनका उपचार किया गया है। इसके बाद सीएम एमएलबी स्कूल में लाड़ली लक्ष्मी योजना के कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे। इसके बाद वहं ग्वारीघाट में माँ नर्मदा की महाआरती शामिल होंगे। रात 8.15 बजे आयुर्वेद कॉलेज ग्वारीघाट में गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

बच्चे भगवान का स्वरूप होते है

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बच्चों के संवाद कार्यक्रम में कहा कि बच्चे भगवान का स्वरूप होते है। लेकिन ऐसे बच्चों को अगर हृदय संबंधी रोग हो जाए तो कितनी पीड़ा होती है सबसे ज्यादा परेशानी माता-पिता को होती है। माता-पिता और बच्चे की परेशान को देखते हुए मप्र सरकार बाल हृदय रोग योजना लेकर आई जिसमें जबलपुर अकेले में 199 ऐसे बच्चों का इलाज हुआ है जो हृदय संबंधी रोगों से पीड़ित थे।

सीएम ने की बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल की प्रशंसा

सीएम ने बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल में 550 ऐसे बच्चों का ऑपरेशन करने पर बधाई दी जिनको हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। सीएम ने बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल और प्रबंधन की प्रशंसा की। इस दौरान सीएम ने बाल हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर केएल उमा महेश्वर, डॉक्टर सुदीप चौधरी, डॉक्टर सुनील जैन और बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल के डायरेक्टर राजीव बड़ेरिया को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया वहीं रेडक्रास सोसयटी के अध्यक्ष और जिला कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन के द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

सीएम ने गौरीघाट में सपत्नीक की नर्मदा महाआरती

जबलपुर, यशभारत। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर जबलपुर पहुंचे। सीएम श्री चौहान ने ग्वारीघाट में मां नर्मदा की महाआरती कर प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की। इस मौके पर उन्होने कहा कि नर्मदा मैया की कृपा संस्कारधानी सहित पूरे प्रदेश पर बनी रही, यही हमारी कामना है.सीएम शिवराजसिंह चौहान ने आगे कहा कि नर्मदा जी स्वच्छ रहे, कलकल बहती रही, यह संकल्प सभी को लेना होगा। इस मौके पर सांसद राकेश सिंह, सुमित्रा महाजन, विधायक अजय विश्नोई, पूर्व विधायक हरेन्द्रजीत सिंह बब्बू सहित अन्य प्रतिनिधि, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम ने सर्किट हॉउस में रोपित किया रुद्राक्ष का पौधा

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सपत्नीक आज गणतंत्र दिवस के अवसर सर्किट हॉउस में रुद्राक्ष का पौधा रोपित किया। पौधरोपण कार्यक्रम में रुद्राक्ष,बरगद, नीम,पीपल व आम के पौधे रोपित किये गये। इस दौरान विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, जनअभियान परिषद के उपाध्यक्ष डॉ जितेंद्र जामदार सहित सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित थे।

देश का 74 वां गणतंत्र दिवस जिले भर में हर्षोल्लास और उत्साह से मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में दमोहनाका में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सतीश उपाध्याय,प्रदेश महासचिव कदीर सोनी,सेवादल के सक्रिय सदस्य आलोक गुप्ता ने ध्वजा रोहण किया।

मनोरम सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने महापर्व को और भव्यता प्रदान की

जबलपुर, यशभारत। समारोह में आकर्षक मार्च पास्ट और मनोरम सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने महापर्व को और भव्यता प्रदान की। समारोह में विकास कार्यों एवं कल्याणकारी योजनाओं पर केंद्रित आकर्षक झांकियां प्रदर्शित की गई। गणतंत्र दिवस समारोह में रंगीन आतिशबाजी भी कीकी गई। इस समारोह में सेना के बैंड ने भी अपनी प्रस्तुतियां दी।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सम्मान

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और लोकतंत्र रक्षक सेनानियों को भी आमंत्रित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सम्मान किया।

मौसम ने बदली करवट, सूर्य और बादल खेलते रहे लुकाछिपी

जबलपुर यशभारत। एक बार फिर से जिले में मौसम ने करवट बदली है। बुधवार की सुबह से बादलों ने डेरा डाल लिया। दिनभर बादल छाए रहे और शाम को बूंदाबांदी होती रही। हवाओं के कारण पारा में हल्की से कमी है।मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में बदलाव हुआ है।मौसम आज भी ऐसे ही बने रहने के आसार हैं। हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। जबलपुर सहित संभाग के जिलों में हल्के बादल छाए रहे। मौसम विभाग की माने तो एक नया फिर पश्चिम विक्षोभ भी सक्रिय हो रहा है जिससे दो दिनों तक बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। अभी फरवरी शुरू भी नहीं हुई है और मौसम में तपन का अहसान बढ़ने लगा है। सुबह और रात को हल्की ठंड है, लेकिन दोपहर की गर्मी से लोगों के पसीने छुड़ा दिया है। सुबह का तापमान 16 डिग्री के आसपास रहा, हालांकि मौसम विज्ञानिकों का कहना है कि यह तापमान पिछले साल की तुलना में छह डिग्री अधिक रहा। दरअसलबुधवार को भी दिन में हल्के बादलों की आवाजाही के बीच तापमान कम-ज्यादा होता रहा, लेकिन अधिकतम तापमान 30 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विज्ञानिकों के मुताबिक वर्तमान में पश्चिमी विक्षोभ, उत्तरी पाकिस्तान और अफगानिस्तान क्षेत्र में बन रहा है।

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार श्री नारायण सिंह ठाकुर पुत्र रघुवीर सिंह राजपूत से प्राप्त दिशा निर्देशों के आधार पर सर्वसाधारण जनता को सूचित करता हूं कि मेरे पक्षकार की भूमि जो कि मौजा हिरदेपुर तहसील गोरखपुर जिला जबलपुर में खसरा नंबर 45/1 रकवा 2400 वर्गफुट स्थित है उपरोक्त भूमि नारायण सिंह ठाकुर की माताजी श्री राधा देवी राजपूत पत्नी रघुवीर सिंह राजपूत के द्वारा दो पंजीकृत पत्र के आधार पर किया गया था जिसमें पहला विक्रय पत्र प्यारे लाल कुम्हार से खसरा नंबर 45 मौजा हिरदेपुर तहसील व जिला जबलपुर जिसका रकबा 1500 वर्ग को दस्तावेज क्रमांक 1266 के आधार पर दिनांक 09/12/1966 तथा दूसरा विक्रय पत्र श्री ठाकुर पूरन सिंह राजपूत पिता श्री गणपत सिंह राजपूत से खसरा नंबर 45 रकवा 900वर्गफुट मौजा हिरदेपुर तहसील व जिला जबलपुर को दस्तावेज़ क्रमांक 5433 के आधार पर दिनाक 08/09/1967 को क्रय किया था तथा मेरे पक्ष मे उनके द्वारा अपंजीकृत वसीयत निष्पादित किया गया था,मेरी माता श्रीमती राधा बाई के पक्ष में निष्पादित विक्रय पत्र जिसे श्री ठाकुर पूरन सिंह राजपूत पिता श्री गणपत सिंह राजपूत ने खसरा नंबर 45 रकवा 900वर्गफुट मौजा हिरदेपुर तहसील व जिला जबलपुर को दस्तावेज़ क्रमांक 5433 के आधार पर दिनाक 08/09/1967 को विक्रय किया था उसकी मूल प्रति कहीं गुम हो गई है उपरोक्त विक्रय पत्र के आधार उपरोक्त संपति को बंधक कर पर मेरा पक्षकार इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक शाखा अधारताल जबलपुर से ऋण प्राप्त कर रहे है, यदि किसी व्यक्ति वित्तीय संस्थान बैंक अथवा अन्य को किसी प्रकार का कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो ऐसी दशा में भी मेरे कार्यालय में आगामी 3 दिवस के अंदर दस्तावेज सहित उपस्थित होकर आपत्ति दर्ज करा सकता है समय बीत जाने के पश्चात यदि किसी प्रकार का कोई दावा अथवा आपत्ति मेरे अथवा बैंक के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी तो ऐसी दाशा में वह दावा अथवा आपत्ति झूठी मानी जाएगी एवं उस पर किसी प्रकार का कोई कार्यवाही नहीं की जावेगी।

एड. हर्षित पटेल हाईकोर्ट जबलपुर
मो. 9893333246

कृषि क्षेत्र में रिमोट सेंसिग एवं जी.आइ.एस. तकनीक से मिलेंगे बेहतर परिणाम

जबलपुर यशभारत। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की सद्प्रेरणा एवं सतत् मार्गदर्शन में कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (नाहेप) के तहत 17 वीं 21 दिवसीय प्रशिक्षण श्सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना यंत्र का कृषि में अनुप्रयोगश् विषय पर 3 जनवरी से आयोजित प्रशिक्षण का समापन संचालक प्रक्षेत्र डॉ. दीप कुमार पहलवान के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम के समापन अवसर पर अध्यक्षता कर रहे डॉ. अतुल श्रीवास्तव अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय ने बताया कि वर्तमान में, यह तकनीक आने वाले भविष्य में महत्वपूर्ण है, भारत के एफआर.आई. उत्तराखण्ड, एम.पी.यू.ए.टी. राजस्थान, डॉ. वाय.एस.पी.यू.एच. एफ, सी.एस.के.एच.पी.व्ही. हिमाचल प्रदेश, बी.ए.यू.टी., एन.डी.यू.टी. उत्तरप्रदेश, आर.वी.एस.के.व्ही.व्ही. और जे.एन.के.व्ही.व्ही. मध्य प्रदेश से आए 57 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। जिन्हें सतत् 21 दिवस तक सैद्धांतिक व व्यवहारिक प्रशिक्षण के साथ ही रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस तकनीक के सॉफ्टवेयर का बेहतर उपयोग कार्य करना एवं कृषि के क्षेत्र में व प्रक्षेत्र पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सौरभ नेमा, डॉ. शैलेश शर्मा, सह समन्वयक द्वारा किया गया, आभार प्रदर्शन नाहेप परियोजना के प्रमुख समन्वयक डॉ. आर. के. नेमा ने किया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। 21 दिवसीय प्रशिक्षण में समन्वयक की भूमिका डॉ. शैलेश शर्मा, सह समन्वयक डॉ. एम.के. अवस्थी, डॉ. वाय. के. तिवारी ने निभाई एवं डॉ. आर.एस. शुक्ला, डॉ. एस. के. बिलैया सहित अन्य वैज्ञानिकों की उपस्थिति रही हैं। 21 दिवसीय प्रशिक्षण को सफल बनाने में श्री ओम प्रकाश प्रजापति, डॉ. सुमित काकडे, डॉ. दीपक पटले, इंजी. अनिकेत राजपूत, इंजी. अंजलि पटेल, डॉ. देवेंद्र वास्ट, डॉ. पी.एस. पवार, डॉ. उमाकांत रावत, इंजी. कृष्णा सिंह और इंजी. रचित नेमा आदि की उल्लेखनीय भूमिका रही।

श्रीमति राजश्री दुबे का निधन

जबलपुर। संगम कालोनी निवासी 64 वर्षीय श्रीमति राजश्री दुबे का बुधवार को सुबह इलाज के दौरान मेडिकल अस्पताल में निधन हो गया, उनका अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया। वे श्री बृजमोहन दुबे की धर्मपत्नी, ब्रिजबिहारी दुबे, केशव दुबे, मदन दुबे की भाभी और मोहित दुबे की मा थीं।

शिवाय इण्डस्ट्रीज, रिछाई

प्रोफाइल शीट और टेंट की सामग्री हेतु मार्केटिंग के लिये अनुभवी और योग्य सेल्समेन की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार।
योग्यता-ग्रेजुएशन
संपर्क करें- 9340164699
अनुभव-1 वर्ष
ऑफिस का पता-बीजेपी कार्यालय के सामने, श्री कृष्णा स्टील के बाजू में रानीताल, जबलपुर (म.प्र.)

श्रीमती छाया बेडेकर का पार्थिक शरीर उनका परिवार आज दोपहर मेडिकल को सौंपेंगे

जबलपुर, यशभारत। यादव कालोनी जबलपुर निवासी उदय माधव बेडेकर की धर्मपत्नी श्रीमती छाया बेडेकर उम्र 71 वर्ष का आकस्मिक निधन हो गया जैसा विदित है कि 1 वर्ष पूर्व कलेक्ट्रेट कंट्रोल रूम जबलपुर मैं पति-पत्नी ने देहदान करने का संकल्प पत्र भरा था उनकी इच्छा के अनुरूप श्रीमती छाया बेडेकर जी का पार्थिव शरीर दोपहर 2ः00 बजे मेडिकल कॉलेज को परिवार के सदस्यों द्वारा सौंपा जावेगा श्री उदय माधव बेडेकर ने जानकारी दी है कि उनके अंतिम दर्शन निज निवास -1086 सहयोग भवन , हनुमान मंदिर रोड़, विवेकानंद वार्ड ,यादव कॉलोनी जबलपुर पर सुबह 10.00 से 1.00बजे तक रखा जावेगा।

यातायात विभाग की झांकी सर्वश्रेष्ठ

जबलपुर, यशभारत। यातायात विभाग की झांकी को गैरिसन मैदान में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में सर्वश्रेष्ठ झांकी का पुरस्कार दिया गया ।

रादुविवि शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ चुनाव

प्रेम अध्यक्ष, संजय यादव महासचिव निर्वाचित

जबलपुर यशभारत। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (आरडीयू) शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ के 25 जनवरी की सुबह हुए मतदान के बाद शाम को आए परिणामों में अध्यक्ष पद पर प्रेम प्रकाश पुरोहित ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बैसाखू को हरा कर हासिल की। वहीं महासचिव पद के त्रिकोणीय मुकाबले में संजय यादव बाज़ी मारने में सफल रहे। उन्होंने ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी राजेन्द्र शुक्ला का हरा कर जीत हासिल की।

प्रीमियम कबड्डी लीग फरवरी में

जबलपुर,यशभारत। जबलपुर कॉरपोरेशन कबड्डी एसोसियेशन के तत्वावधान में फरवरी महीने के अंतिम सप्ताह व मार्च के प्रथम सप्ताह में जबलपुर प्रीमियम पुरुष कबड्डी लीग का आयोजन नगर में किया जा रहा है । आयोजन सचिव शानू यादव ने बताया कि लीग में 8 टीमों का चयन किया जाएगा। टीमों के चयन हेतु 29 जनवरी को प्रातः 10:00 बजे से रानीताल खेल परिसर अथवा जानकीरमण महाविद्यालय पर रखा गया है जो भी खिलाड़ी इस में भाग लेना चाहते हैं वे अपना पासपोर्ट साइज फोटो आधार कार्ड लेकर मैदान पर पहुंचे ।सिलेक्शन के बाद उक्त प्रतियोगिता हेतु 8 टीमें बनाई जाएगी जो भी खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं वह कृपया संघ सचिव शानू यादव , जॉफ सचिव मनीष रजक ,जबलपुर अकादमी सचिव पुष्पा रघुवंशी से संपर्क करें।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर लोककर्म विभाग
निविदा आमंत्रण सूचना

N.I.T. / PWD/ e-tendering/ PRO/ 691 Dated 25/01/2023

पंजीकृत ठेकेदार/ मान्यता प्राप्त फर्म से निम्नलिखित कार्य के लिये ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्रं.	पैकेज/ कोड	कार्य का विवरण	जिला	अनुमानित लागत (लाख में)	निर्माण अवधि (माह में)
1.	सं. क्रं- 03	शंकरशाह नगर वार्ड में रामपुर हॉकर जोन के पीछे स्वास्थ्य विभाग हेतु प्रोफाइल शीट से कंपाउडिंग वॉल बनाना एवं पेबर ब्लाक बनाने का कार्य।	जबलपुर	रु. 36.13 लाख छत्तीस लाख तेरह हजार रूपयें मात्र	02 माह

1. इच्छुक निविदाकार निविदा सूचना (NIT) का विवरण htttp://mptender.gov.in में देख सकते है। 2. निविदा प्रपत्र दिनांक 25.01.2023 को प्रातः 10:30 बजे से दिनांक 22.02.2023 सायं 5.30 बजे तक ऑनलाईन निविदा क्रय की जा सकती है। 3. निविदा प्रपत्र दिनांक 23.02.2023 को सायं 5:30 बजे तक ऑनलाईन प्रस्तुत की जा सकेगी।

कार्यपालन यंत्री, स्वास्थ्य नगर पालिक निगम जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर लोककर्म विभाग
निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय)

N.I.T. NO/ PWD/ e-tendering/ PRO/ 692 Dated 25/01/2023

पंजीकृत ठेकेदार/ मान्यता प्राप्त फर्म से निम्नलिखित कार्य के लिये ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्रं.	पैकेज/ कोड	कार्य का विवरण	जिला	अनुमानित लागत (लाख में)	निर्माण अवधि (माह में)
1.	सं. क्रं.-02	सं. क्रं.02 कछपुरा के अंतर्गत रानी दुर्गावती वार्ड स्थित अम्बेडकर सामुदायिक भवन के पीछे संजीवनी क्लिीनिक का निर्माण कार्य।	जबलपुर	रु. 24.72 चौबीस लाख बहत्तर हजार रूपयें मात्र	04 माह

1. इच्छुक निविदाकार निविदा सूचना (NIT) का विवरण www.mptender.gov.in में देख सकते है।
2. निविदा प्रपत्र दिनांक 28.01.2023 को प्रातः 10:30 बजे से दिनांक 15.02.2023 सायं 5.30 बजे तक ऑनलाईन निविदा क्रय की जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री, लोककर्म विभाग, नगर निगम जबलपुर

धूल खा रहा लाखों का बंगला

पाटन, यशभारत। सरकार द्वारा अधिकारी अपने मुख्यालय पर रहे इसके लिए लाखों रुपए खर्च कर मुख्यालय में बड़े-बड़े बंगले बनाए जाते हैं ताकि आमजन को परेशानी का सामना ना करना पड़े और उनकी समस्याओं का हल हो सके परंतु जिले की पाटन तहसील में लाखों रुपए की लागत से बना एसडीएम आवास धूल खा रहा है लगभग डेढ़ वर्ष से माननीय महोदय ने इस ओर कभी झांक कर भी नहीं देखा जिसकी हालत दिन प्रतिदिन जर्जर होती जा रही है मुख्य गेट के अंदर जमी धूल की परत यह बताने के लिए काफी है कि किस प्रकार शासकीय सुविधाओं और नियमों को ताक पर रखकर शासन के आदेशों की अवहेलना हो रही है मुख्यालय में आवास होने के बाद भी अधिकारी प्रतिदिन जिले से आते जाते हैं जिसमें की उनके वाहनों में होने वाली ईंधन की खपत से वर्ष भर में हजारों रुपए का ईंधन बर्बाद चला जाता है साप्ताहिक बाजार के दिन तो मुख्य गेट पर दुकानें सजती है पर इन्हें हटाने बाला कोई भी जिम्मेदार पहल नही करता जब साहब बंगले पर रहते ही नही तो धूल जमना लाजमी है बही रात के समय पूरे बगलें में अंधेरा छाया रहता है जबकि बगले में गार्डन एयर कंडीशनर सहित तमाम सुविधाएं उपलब्ध है उस के बाद भी महोदय को बंगला रास नही आ रहा है।

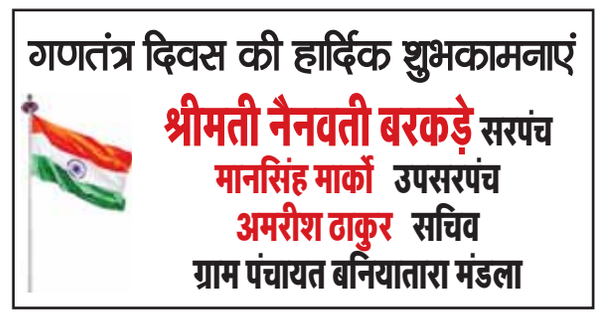

बदलावों के बयार के बीच 74 वां गणतंत्र दिवस

आज समूचा देश 74वां गणतंत्र दिवस के जश्न में डूबा हुआ है। इस बार गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसीपधारे हैं। यही नहीं मुख्य परेड में मिस्र की सेना का बैंडदल भी शामिल हुआ। हम भारत पर्व ऐसी बदलावों के बीच मना रहे हैं जब राष्ट्र दुनिया के समृद्ध देशों के समूह जी-20 का नेतृत्व कर रहा है। जो भारत के बढ़ते अंतर्राष्ट्रीय कद का ही परिचायक है। देश की अर्थव्यवस्था कोरोना के दंश से मुक्त हो पुरानी लय में लौटने की तैयारी में है। देश के सामने बेरोजगारी और महंगाई जैसी चुनौतियां हैं। यह जानते हुए कि महामारी व करीब एक साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध से उपजी वैश्विक परिस्थितियों के चलते ऐसे हालात पूरी दुनिया में हैं। लेकिन अमृत महोत्सव से अमृतकाल की यात्रा के बीच भारतीय गणतंत्र के तमाम यक्ष प्रश्न मुंह बाए खड़े हैं। देश में लगातार बढ़ती आर्थिक विषमता और अमीर-गरीब के बीच निरंतर चौड़ी होती खाई के बीच कह सकते हैं कि संविधान निर्माताओं की आकांक्षा के अनुरूप देश शक्ल नहीं ले पाया है। हम अपने विविधता के समाज, जो हमारे लोकतंत्र की खूबसूरती भी है, में विश्वास बहाली के मामले में चूक रहे हैं। हर गणतंत्र दिवस हमें याद भी दिलाता है कि यह पर्व महज रस्म अदायगी नहीं है। भले ही राजग सरकार ने प्रतीकों के विमर्श में राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्यपथ किया हो, लेकिन इस बदलाव के गहरे निहितार्थ भी हैं। यह हमें आत्ममंथन का मौका देता कि मौलिक अधिकारों के आग्रह के साथ हमारे कुछ मौलिक कर्तव्य भी हैं। किसी राष्ट्र की ताकत नेता नहीं बल्कि कर्तव्यनिष्ठ व सचेत नागरिक होते हैं। भले ही देश की युवा पीढ़ी ने गुलामी का दौर नहीं देखा, लेकिन राष्ट्रीय आंदोलन के इतिहास में दर्ज स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान व आजादी की हवा में सांस लेने की ललक हमें अहसास कराती है कि आजादी व अपने संविधान के क्या मायने होते हैं। निस्संदेह, भारतीय संविधान की गिनती दुनिया के सबसे बड़े संविधानों में होती है, लेकिन यह अवसर हमें आत्ममंथन का मौका देता है कि 15 अगस्त, 1947 को मिली राजनीतिक आजादी के बाद क्या हम आर्थिक आजादी के लक्ष्य पा सके? समाज के अंतिम व्यक्ति को भय-भूख से मुक्ति दिला सके? मानवाधिकारों की पवित्रता को कायम रख सके? क्या राजनीतिक विद्रूपताओं के दंश से मुक्ति के लिये जिम्मेदार नागरिक का दायित्व निभा सके? एक नागरिक के मूलभूत दायित्वों का निर्वहन कर सके? वहीं दूसरी ओर देश में पिछले दिनों गुलामी के प्रतीकों से मुक्ति के लिये राजग सरकार ने जो पहल की, उसने हर नागरिक को गौरवबोध से भर दिया। पिछले दिनों सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती मनाते हुए कृतज्ञ राष्ट्र ने अंडमान द्वीप समूह के 21 द्वीपों का नामकरण देश की अखंडता व संप्रभुता के लिये सर्वोच्च बलिदान करने वाले परमवीरों के नाम पर किया। यह इन वीरों को कृतज्ञ राष्ट्र की सच्ची श्रद्धांजलि है, जिनके बलिदान से आज हमारी सीमाएं अक्षुण्ण हैं। वहीं स्वतंत्रता का उद्घोष करने वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस की स्मृति में बनने वाले मॉडल का भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनावरण किया। यह तथ्य भाव-विभोर करने वाला है कि जिस कालापानी को स्वतंत्रता सेनानियों को क्रूरतम सजा देने के लिये उपयोग किया जाता था, वहां स्वतंत्रता सेनानियों और आजादी के बाद बलिदान देने वाले परमवीरों की स्मृतियां महकेंगी। ये द्वीप अब गुलामी के प्रतीकों को त्यागकर शहीद द्वीप व स्वराज द्वीप के नाम से जाने जाएंगे। 21 द्वीपों के नाम परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखे जाने से सेना ही नहीं बल्कि देश का हर नागरिक गौरवान्वित व प्रेरित होगा। यह प्रयास हमारी सेनाओं व सुरक्षा बलों को वीरता के ओज से भर देगा। इस प्रयास से ये बलिदानी नायक ध्रुवतारे की तरह सदा चमकते रहेंगे। साथ ही यह संदेश भी कि विभिन्न प्रातों, विभिन्न संस्कृति व भाषा वाले महानायकों ने देश को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया। सरकार कोशिश करे कि ये द्वीप महज प्रतीकात्मक बदलाव के वाहक न बनें, इन्हें विकास व प्रेरक घटनाक्रम से जीवंत बनाएं, ताकि ये आधुनिक भारत के तीर्थ बन जाएं। यह इसलिए भी जरूरी है कि हिंद महासागर के निकट इन द्वीपों का सामरिक महत्व भी है। यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों में राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार करेगा।

संविधान लागू करने के लिए क्यों चुनी गई 26 जनवरी की तारीख

देशभर में हर साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस साल देश अपना 74वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। हर वर्ष की तरह इस बार भी हर्षोल्लास और धूमधाम से इस राष्ट्रीय त्योहार का जश्न मनाया जा रहा है। तिरंगा फहराने के साथ ही 26 जनवरी की परेड का भी लोग इस दिन आनंद उठाते हैं।

हालांकि हर बार गणतंत्र दिवस आते ही कई लोगों के मन में यह सवाल आता होगा कि आखिर 26 जनवरी को ही गणतंत्र दिवस क्यों मनाया जाता है। अगर आपके मन में भी इस तरह का सवाल आता है तो आज हम आपको बताएंगे कि देश को गणतंत्र घोषित करने के लिए 26 जनवरी की तारीख को ही क्यों चुना गया।

26 जनवरी को ही क्यों लागू हुआ संविधान

यह तो हम सब जानते ही हैं कि गणतंत्र दिवस इसलिए मनाया जाता है क्योंकि इस दिन हमारे देश का संविधान लागू किया गया था। साल 1950 में भारत को एक गणतंत्र राष्ट्र घोषित किया गया था। इसी दिन को चिन्हित करने के लिए हर साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। यह दिन भारतीय नागरिकों की लोकतांत्रिक रूप से अपनी सरकार चुनने की शक्ति को दर्शाता है। लेकिन क्या आप

जानते हैं कि संविधान लागू करने के लिए 26 जनवरी की ही तारीख क्यों चुनी गई। इस दिन संविधान लागू करने के पीछे एक खास मकसद था, जिसे शायद ज्यादा लोग जानते होंगे।

पहले इस दिन मनाया जाता था स्वतंत्रता दिवस

दरअसल, भारत में ब्रिटिश शासन से 15 अगस्त 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त की थी। लेकिन बहुत कम लोग यह जानते होंगे कि आजादी से पहले तक 26 जनवरी को ही स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता था। 31 दिसंबर, 1929 को कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में एक प्रस्ताव पारित हुआ। इस प्रस्ताव में यह मांग की गई थी कि अगर ब्रिटिश सरकार ने 26 जनवरी 1930 तक भारत को उपनिवेश (डोमीनियन स्टेट) का दर्जा नहीं दिया तो, भारत को पूर्ण स्वतंत्र घोषित कर दिया जाएगा। इसी के बाद 26 जनवरी, 1930 को पहली बार स्वतंत्रता दिवस मनाया गया था और इसी दिन जवाहरलाल नेहरू ने तिरंगा फहराया था।

1950 में मना पहला गणतंत्र दिवस

हालांकि, बाद में 1947 में मिली आजादी के बाद 15 अगस्त को आधिकारिक रूप से स्वतंत्र दिवस घोषित कर दिया गया। वहीं 26 जनवरी, 1930 को पूर्ण स्वराज का प्रस्ताव लागू होने की इस तिथि को महत्व देने के लिए ही संविधान लागू करने के लिए 26 जनवरी का दिन चुना गया था। 26 नवंबर, 1949 में भारत का संविधान बनकर पूरी तरह तैयार हो चुका था। लेकिन 26 जनवरी की महत्ता को देखते हुए इसी दिन साल 1950 में संविधान लागू किया गया और देश को पूर्ण गणतंत्र घोषित किया गया। इसी साल पहली बार आजाद भारत में अपना गणतंत्र दिवस मनाया था और तब से लेकर आज तक हर साल 26 जनवरी के दिन गणतंत्र दिवस मनाया जाता है।

बहुसंख्य समाज की आस्था पर चोट कब तक?

देश में अनेक राजनीति एवं गैर-राजनीतिक स्वार्थों से प्रेरित अराष्ट्रवादी एवं अराजक शक्तियां हैं जो अपने तथाकथित संकीर्ण एवं देश तोड़क बयानों से देश की एकता, शांति एवं अमन-चैन को छिनने के लिये तत्पर रहती है, ऐसी ही शक्तियों में शुमार बिहार के शिक्षामंत्री श्री चन्द्रशेखर एवं समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने हिन्दू धर्म की आस्था को आहत करने वाले बयान दिये हैं, संत शिरोमणी तुलसीदास रचित रामचरितमानस की कुछ पंक्तियों को लेकर उन्होंने तथ्यहीन, घटिया, सिद्धान्तहीन एवं हास्यास्पद टिप्पणी करके धर्म-विशेष की आस्था को आहत करते हुए विवाद को जन्म दिया है।

हालांकि सपा ने मौर्य की इस टिप्पणी से खुद को यह कहते हुए अलग कर लिया है कि यह उनकी व्यक्तिगत टिप्पणी थी। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण तो यह है कि देश के प्रमुख राजनेता ने सच्चाई को जानते हुए जानबूझकर भड़काऊ एवं उन्मादी बयानों से देश की मिली-जुली संस्कृति को झुलसाने का काम किया है। मौर्य के ऐसे हिंसक एवं उन्मादी विचारों को क्या हिन्दू हाथ पर हाथ धरे देखते रहेंगे? क्यों ऐसे बयानों से देश की एकता एवं सर्वधर्म संस्कृति को तोड़ने की कुचेष्टाएं की जाती है। रामचरितमानस को पिछले करीब पांच सौ वर्षों में सम्पूर्ण भारत के करोड़ों लोग जिस श्रद्धा और प्रेम से पाठ करते रहे हैं, वह इसका दर्जा बहुत ऊंचा कर देता है। अब इस तरह इस अमर कृति का अनादर एवं बेवजह का विवाद खड़ा करना समझ से परे हैं।

आखिर बहुसंख्य हिन्दू समाज कब तक सहिष्णु बन ऐसे हमलों को सहता रहेगा? कब तक 'सर्वधर्म समभाव' के नाम पर बहुसंख्य समाज ऐसे अपमान के घूंट पीता रहेगा? राजनीतिक दलों में एक वर्ग-विशेष के प्रति बढ़ते धार्मिक उन्माद पर तुरन्त नियन्त्रण किये जाने की जरूरत है क्योंकि अभी यदि इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो उसके भयंकर परिणाम हो सकते हैं जिनसे राष्ट्रीय एकता को ही गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। रामचरितमानस हिन्दू धर्म के अनुयायियों का सर्वोच्च आस्था ग्रंथ है। करोड़ों लोग इस ग्रंथ का हर दिन स्वाध्याय करते हैं। मौर्य ने इस ग्रंथ को लेकर सरकार से दुर्भाग्यपूर्ण एवं हास्यास्पद यह मांग कर दी है कि इस रचना में से कुछ पंक्तियों को हटा दिया जाए या फिर यह पूरी रचना को ही पाबंद कर दिया जाये। यह मांग बताती है कि कोई बहस विवेक के धागे से बंधी न रहे तो वह किस हास्यास्पद स्थिति तक पहुंच सकती है। भले ही यह विवाद बिहार के शिक्षा मंत्री और आरजेडी नेता चंद्रशेखर के इस बयान से शुरु हुआ कि रामचरितमानस के कुछ दोहे समाज के कुछ खास तबकों के खिलाफ हैं। देखा जाए तो रामचरितमानस के कई दोहों पर बहस बहुत पहले से चली आ रही है। उनमें से कुछ को दलित विरोधी बताया जाता है तो कुछ को स्त्री विरोधी। इसके पक्ष-विपक्ष में लंबी-चौड़ी दलीलें दी जाती रही हैं। लेकिन सैकड़ों वर्षों से घर-घर में मन्दिर की भांति पूजनीय यह कोरा ग्रंथ नहीं है बल्कि एक सम्पूर्ण जीवनशैली है। संस्कारों एवं मूल्यों की पाठशाला है। रामचरितमानस में भले रामकथा हो, किन्तु कवि का मूल उद्देश्य श्रीराम के चरित्र के माध्यम से नैतिकता एवं सदाचार की शिक्षा देना रहा है। रामचरितमानस भारतीय संस्कृति का वाहक महाकाव्य ही नहीं अपितु विश्वजनीन आचारशास्त्र का बोधक महान् ग्रन्थ भी है। यह मानव धर्म के सिद्धान्तों के प्रयोगात्मक पक्ष का आदर्श रूप प्रस्तुत करने वाला ग्रन्थ है।

रामचरित मानस हिंदुओं के लिए सिर्फ धार्मिक ग्रंथ ही नहीं, बल्कि जीवन दर्शन है और संस्कारों से जुड़ा हुआ है। मानस कोई पुस्तक नहीं, बल्कि मनुष्य के चरित्र निर्माण का विश्वविद्यालय है और लोगों के कार्य व्यवहार में इसे स्पष्टता से देखा जा सकता है। यह मानने की बात नहीं कि स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपने जीवन में मानस की चौपाइयों और दोहों का पाठ न किया हो। इसलिए कहा जा सकता है कि राजनीति में इस समय हाशिये पर चल रहे मौर्य ने चर्चा में रहने के लिए एक बेवजह का विवाद खड़ा किया है। राजनीतिक लाभ के लिए जनभावनाओं का अपमान एवं तिरस्कार करना किसी भी कौण से उचित नहीं। इसीलिए मौर्य का प्रबल विरोध भी हो रहा है। उनकी पार्टी के ही लोग उनके विचारों से सहमत नहीं।भारतीय राजनीति का यह दुर्भाग्य रहा है कि उससे जुड़े राजनेता अक्सर विवादित बयानों से अपनी राजनीति चमकाने की कुचेष्टा करते रहे हैं। लेकिन समझदार एवं अनुभवी राजनेता धार्मिक आस्थाओं पर चोट करने से बचते रहे हैं। मौर्य ने रामचरित मानस पर विवादित टिप्पणी कर न सिर्फ अपनी अपरिपक्व राजनीतिक सोच का परिचय दिया है बल्कि करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं को आहत किया है। बल्कि अपने सनातन संस्कारों को भी तिरस्कृत किया है। यह विडम्बना है कि राजनेता इस बात की कतई परवाह नहीं करते कि उनके शब्दों का जनमानस पर क्या प्रभाव पड़ेगा। रामचरित मानस पर तथाकथित प्रगतिशील पहले भी अधकचरी टिप्पणियां करते रहे हैं लेकिन इससे इस ग्रंथ की सर्वस्वीकार्यता, प्रतिष्ठा एवं उपयोगिता पर कोई असर नहीं पड़ा, ना ही गोस्वामी तुलसीदास के प्रति लोगों की श्रद्धा कम हुई। स्वामी प्रसाद ने यदि कुछ चौपाइयों पर आपत्ति जताई है तो या तो उन्होंने मानस का अध्ययन नहीं किया या फिर उन्होंने जानबूझकर यह वितंडा खड़ा किया। रामचरित मानस के महानायक श्रीराम के चरित्र पर विवाद उठाने वाले वृहद रूप से श्रीराम को नहीं समझते हैं। क्या कोई यह जानने का प्रयास नहीं करता कि श्रीराम ने शबरी के झूठे बेर खाए थे और केवट को गले लगाकर अपना परम मित्र बनाया था। उन्होंने ही तो गिद्ध का अपने पिता के सामान श्राद्ध किया था। वे कोल, भील, किरात, आदिवासी, वनवासी, गिरीवासी, कपिश अन्य कई जातियों के साथ जंगल में रहे और उन्हीं के दम पर उन्होंने रावण को हराया भी था तब उस महानायक को क्यों जाति के खंडों में बांटा जा रहा है? सार्वजनिक जीवन विशेषकर राजनीति में धर्म एवं उससे जुड़े विषयों के बारे में शब्द प्रयोगों में मर्यादाओं का अतिक्रमण कई कारणों से चर्चा में रहता है। ऐसे नेताओं से मतभेद, असहमति स्वाभाविक है। विचारधारा के स्तर पर टकराव और संघर्ष भी अस्वाभाविक नहीं है। किंतु शब्द और व्यवहार की मर्यादा ही लोकतांत्रिक समाज की सच्ची पहचान है। इसी तरह राजनीतिक पदों पर आसीन या सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण व्यक्तियों को ऐसे धार्मिक विवाद ख? करने के पहले उसके तथ्यों की पूरी छानबीन करनी चाहिए, उससे होने वाले नफा-नुकसान को मापना चाहिए। ऐसा नहीं करने का अर्थ है, एक नेता होने की जिम्मेवारी को आप नहीं समझते या पालन नहीं करते। नेताओं के आधे-अधूरे विवादास्पद बयानों की सूची बनाएं, तो शायद कई भागों में मोटी पुस्तकें तैयार हो जाएं। भारतीय राजनीति में पनप रही बडबोलेपन एवं विवाद खड़े करने की इस त्रासद स्थिति को हर हाल में बदलने एवं नियंत्रित करने की आवश्यकता है। हमारे देश में व्यापक राजनीतिक सुधार की आवश्यकता है। यह सभी दलों और उनके नेतृत्व वर्ग की जिम्मेवारी है। धर्म एवं उसके प्रतीकों पर विवाद खड़े करने वाले राजनेता राजनीतिक धर्म का अनादर करते हैं, ऐसे लोग ही भारत की संस्कृति के प्रतीक ग्रंथ रामचरित मानस की गरिमा एवं गौरव को धुंधलाने के लिये ऐसे घटिया एवं अराजक कदम उठाते हैं। उन्हें ज्ञात होना चाहिए कि रामचरित मानस धर्म ही नहीं, जीवन है, स्वभाव है, सम्बल है, करुणा है, दया है, शांति है, अहिंसा है। ऐसे महान ग्रंथ को राजनीति बना एक त्रासदी है। जो मानवीय है, उसको जाति बना दिया। इस तरह का तुष्टिकरण हटे और उन्मादी सोच घटे। यदि सर्वधर्म समभाव की भावना को पुनः प्रतिष्ठित नहीं किया तो यह हम सबका दुर्भाग्य होगा।

-ललित गर्ग

आपका राशिफल 27 जनवरी

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अतः वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

फिल्म वर्ग पहेली- 6059

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रस्ता' गीत वाली अरूण, राघवन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. [illegible], ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-१,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नाहिद, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन है-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सन्नी, सुनील, सोनिया की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली- 6058

Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकुरित चने खाने से मजबूत होंगी हड्डियां

चने प्रटोनी का अच्छा सोर्स माने जाते हैं। रोजाना सुबह चने खाने से शरीर को कई तरह के फायदे मिलते हैं। अंकुरित चने का सेवन करने से इम्यूनिटी को मजबूत बनाया जा सकता है, जिससे शरीर को कई सारे वायरल संक्रमण से बचाया जा सकता है। अगर आपकी इम्यूनिटी भी कमजोर है तो बीमारी पड़ने के चांसेज बढ़ जाते हैं। आपको बता दें कि अंकुरित चने में प्रोटीन, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम, आयरन, मिनरल और विटामिन्स बहुत ज्यादा होते हैं, जो हमारे शरीर को कई सारी बीमारियों से दूर रखने में मदद कर सकते हैं। अंकुरित चने को पाचन तंत्र के लिए अच्छा माना जाता है। इतना ही नहीं इसके सेवन से खून की कमी को भी दूर किया जा सकता है। तो चलिए आज हम आपको अंकुरित चने से होने वाले फायदे बताते हैं।

1. एनर्जी

अंकुरित चने खाने से एनर्जी को बढ़ाया जा सकता है। चने को प्रोटीन, मिनरल और विटामिन्स का अच्छा सोर्स माना जाता है, जो शरीर की एनर्जी को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

2. बेहतर पाचन

अंकुरित चने को कब्ज और पाचन के लिए अच्छा माना जाता है। इसमें फाइबर की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, जो पेट को साफ रखने और पाचन को मददगार साबित हो सकता है।

3. मजबूत हड्डियां

अंकुरित चने में मौजूद कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम, आयरन, मिनरल और विटामिन्स हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं। अगर आप कमजोर हड्डियों की समस्या से परेशान हैं तो डाइट में अंकुरित चने को शामिल कर सकते हैं।

4. खून की कमी

अंकुरित चने में आयरन और फॉस्फोरस पाया जाता है, जो हीमोग्लोबिन के लेवल को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। जिन लोगों में खून की कमी की शिकायत है उन्हें रोजाना अंकुरित चने का सेवन करना चाहिए।

5. हेल्दी स्किन

रोजाना अंकुरित चने का सेवन करने से स्किन को हेल्दी रखा जा सकता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व स्किन को खुजली और अन्य समस्याओं से बचाने में मदद कर सकते हैं।

सूडोकु नवताल- 6582

* * * * * कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -6581 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

विचार प्रवाह

आप व्यापारी हो और अपने बही खाते में सबसे पहले शुभ लाभ लिखते हो तो मेरा कहा मानिए केवल शुभ तरीके से ही लाभ अर्जित कीजिए क्योंकि जो शुभ लाभ करते हैं, उनके घर छापे नहीं पड़ते। व्यक्ति अशुभ तरीके से लाभ कमाता है और बेचैन रहता है। याद रखना माया और मिलावट अधिक दर तक नहीं चलती। देर सवेर दूध का दूध और पानी का पानी होता ही है।

-मुनिश्री तरुण सागर

शब्द पहेली - 7611

बाएँ से दाएँ

1. प्राणेंद्रिय-2
2. लंबी गर्दन वाला पशु-3
4. आफत, मुसीबत-2
6. लाचार-3
7. आसरा, मदद-3
8. आश्रय, शरण-3
9. राज कपूर की पोती-3
10. कर्म, भाग्य-3
11. दासत्व, गुलामी-3
13. आर्टिकल-2
14. इच्छा, लालसा-3
15. दुगना, दोगुना-2
16. भार-3
17. टेसू के फूल-3
18. राजा का भवन-3
19. चौकसी-2
20. प्रेमी, साजन-3
21. कैनाल, उपनदी-3
23. जीवन सत्व, प्राण-2
24. प्रहार, आक्रमण-3
25. दाव-घात-2

ऊपर से नीचे

1. अभिमान-2
2. मारना, वध करना-2
3. नृत्य, कृष्णलीला-2
4. अपव्यय करना-3
5. वेस्टइंडीज का कप्तान-2
6. अज्ञात, अनाम-3
7. नदी, दरिया-3
8. जांच, परीक्षण-3
9. परीक्षा करना-3
10. जिगर-3
11. आंचल-3
12. नाश, विध्वंस-3
14. अंजन, नेत्रांजन-3
15. लाडला-3
16. शक, संदेह-3
17. तीन घंटे का समय-3
18. चिंतन-3
19. प्रथम-3
20. दंड, शिक्षा-2
21. आंशिक भीगा हुआ-2
22. प्राण, जीवन तत्व-2

शब्द पहेली -7610 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

गणतंत्र दिवस पर राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने किया ध्वजारोहण

भोपाल, यशभारत। देश आज गणतंत्र दिवस की 74वीं वर्षगांठ मना रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, आज हम सभी भारतवासियों को यह दिन उन अमर शहीद बलिदानियों के सर्वस्व न्यौछावर करने से मिला, जिन्होंने मां भारती की स्वतंत्रता के लिए जीवन बलिदान कर दिया। हम सभी अमर शहीदों को नमन करते हैं। सीएम ने जबलपुर में तिरंगा फहराया। राज्य स्तरीय समारोह भोपाल में हुआ। यहां राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने ध्वजारोहण किया।

इस मौके पर राजधानी भोपाल में राज्यस्तरीय समारोह का आयोजन लाल परेड मैदान में किया जा रहा है। इसके लिए मैदान को आकर्षक ढंग से सजाया गया है और उत्कृष्ट व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्य समारोह में राज्यपाल मंगुभाई पटेल सुबह नौ बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके बाद उन्होंने वह खुले वाहन से परेड का निरीक्षण किया और परेड की सलामी ली। इस अवसर पर सशस्त्र बलों द्वारा हर्ष फायर भी किया गा। इस बार परेड में सशस्त्र बलों के अलावा, एनसीसी, स्काउट एंड गाइड, अश्वारोही दल और डाग स्क्राड ने भी हिस्सा लिया। मार्च पास्ट के बाद राज्यपाल ने गणतंत्र दिवस पर प्रदेश की जनता के नाम संदेश दिया।

कमिश्नर-कलेक्टर कार्यालय में झंडा फहराया

भोपाल कमिश्नर और कलेक्टर कार्यालय में झंडा फहराया गया। संभागायुक्त कार्यालय में कमिश्नर माल सिंह ने झंडा फहराया तो कलेक्टोरेट में कलेक्टर अविनाश लवानिया ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर ब?ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

महापौर और अध्यक्ष ने भी किया झंडावंदन

गणतंत्र दिवस के मौके पर महापौर मालती राय ने आईएसबीटी स्थित निगम कार्यालय में झंडावंदन किया। वहीं, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने माता मंदिर हर्षवर्धन कॉम्पलेक्स स्थित निगम कार्यालय परिसर में ध्वजारोहण किया।

आज बाजार बंद रहेंगे

महाकाल का तिरंगे से श्रृंगार

भोपाल किराना व्यापारी महासंघ के महासचिव अनुपम अग्रवाल ने बताया कि गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में जुमेराती, हनुमानगंज, पुराने भोपाल के थोक दाल- चावल, शक्कर, तेल एवं किराना बाजार बंद रखा जाएगा। इस मार्केट से शहर समेत आसपास के डेढ़ सौ किलोमीटर के दायरे में किराना सामान की आपूर्ति की जाती है ।विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने रीवा जिले में ध्वजारोहण किया। प्रदेश के 29 जिला मुख्यालयों पर मंत्री और 20 जिलों में कलेक्टर ने तिरंगा फहराया ।उज्जैन में महाकाल का विशेष श्रृंगार हुआ। तड़के 4 बजे होने वाली भस्म आरती में भगवान के मस्तक पर तिरंगे से श्रृंगार किया गया। नंदी ने भी तीन रंगों के वस्त्र धारण किए। भगवान महाकाल का जल से अभिषेक कर दूध, दही, घी, शक्कर, फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक पूजन किया गया।

इन जिलों में मंत्री ने किया ध्वजारोहण

गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा दतिया में, पीडब्ल्यूडी मंत्री गोपाल भार्गव सागर में, जल-संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट इंदौर में ध्वजारोहण करेंगे। इसी तरह, वन मंत्री विजय शाह खंडवा में, वित्त मंत्री जगदीश देव?ा मंदसौर में, खाद्य मंत्री बिसाहूलाल सिंह अनूपपुर में, खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया शिवपुरी, जनजातीय कार्य और अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री मीना सिंह मांडवे उमरिया में, कृषि मंत्री कमल पटेल हरदा में, राजस्व और परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत दमोह में, खनिज और श्रम मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह पन्ना में, चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग विदिशा में, स्वास्थ्य मंत्री मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी रायसेन में झंडा फहराया। पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह सिसौदिया गुना में, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ग्वालियर में, पशुपालन मंत्री प्रेमसिंह पटेल बड़वानी में, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम एवं विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा नीमच में, पर्यटन, संस्कृति और अध्यात्म मंत्री उषा ठाकुर देवास में, सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया भिंड में ध्वजारोहण किया। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन में, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण मंत्री हरदीप सिंह डंग रतलाम में, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री राजवर्धन सिंह दतीगांव धार में, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री भारत सिंह कुशवाह श्योपुर में, स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री इंदर सिंह परमार शाजापुर में, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण (स्वतंत्र प्रभार) राज्यमंत्री राम खेलावन पटेल सतना, आयुष (स्वतंत्र प्रभार) राम किशोर कांवरे बालाघाट में, पीएचई राज्य मंत्री बृजेंद्रसिंह यादव अशोकनगर में, लोक निर्माण राज्य मंत्री सुरेश धाकड़ मुरैना में, नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री ओपीएस भदौरिया निवाड़ी में ध्वजारोहण किया।

इन जिलों में कलेक्टर ने किया ध्वजारोहण

खरगोन, झाबुआ, अलीराजपुर, बुरहानपुर, आगर-मालवा, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, छतरपुर, टीकमगढ़, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला और डिंडौरी जिले में कलेक्टर ने ध्वजारोहण किया।

25 पुलिस अधिकारियों को मिलेगा राष्ट्रपति सम्मान

चार अधिकारियों को राष्ट्रपति के वीरता पदक के लिए चुना गया

भोपाल,यशभारत। मध्य प्रदेश पुलिस के 25 अधिकारी व कर्मचारियों को केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने राष्ट्रपति के वीरता, विशिष्ट और सराहनीय सेवा पदक के लिए चुना है। 74वें गणतंत्र दिवस पर जारी की गई सूची में चार अधिकारियों को वीरता, चार को विशिष्ट सेवा और 17 को सराहनीय सेवा पदक दिया गया है। राज्य के पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना ने इन सभी अधिकारी व कर्मचारियों को बधाई दी है। उन्हें इस साल 15 अगस्त को अलंकरण समारोह में पदक सौंपे जाएंगे।

इन्हें मिलेगा राष्ट्रपति का वीरता पदक

केन्द्रीय गृह मंत्रालय की लिस्ट में चार अधिकारियों को राष्ट्रपति वीरता पदक देने की घोषणा की गई है। इनमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्याम कुमार मरावी, उप निरीक्षक शिव कुमार मरावी, आरक्षक ट्रेड शेख रशीद और आरक्षक ट्रेड राजकुमार कोल के नाम शामिल हैं।

चार अधिकारियों को विशिष्ट सेवा पदक

शहडोल जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश चंद्र सागर, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक भोपाल आलोक रंजन, पुलिस महानिरीक्षक भोपाल संजय तिवारी और आरक्षक ट्रेड दूसरी वाहिनी राम सिंह बघेल को राष्ट्रपति के विशिष्ट सेवा पदक देने की घोषणा की गई है।

सराहनीय सेवा पदक के लिए इनका चयन

सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक पुलिस महानिरीक्षक बालाघाट संजय कुमार, डायरेक्टर एफएसएल भोपाल शशिकांत शुक?ला, जोनल पुलिस अधीक्षक उज्जैन सुनील कुमार मेहता, पुलिस अधीक्षक ईओडब?ल?यू रीवा वीरेन्द्र जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धार देवेन्द्र कुमार पाटीदार, एसीपी कोतवाली भोपाल नागेन्द्र कुमार पटेरिया, निरीक्षक एससीआरबी मनोज सिंह राजपूत, उप पुलिस अधीक्षक पीटीएस उमरिया मोहम्मद इशरार मंसूरी, सूबेदार (एम) पुलिस मुख?यालय प्रेम नारायण त्रिवेदी, प्रधान आरक्षक 9वीं वाहिनी रीवा दिलीप कुमार सिंह, निरीक्षक (एम)/स्टेनो पीआरटीएस इंदौर संजय कुमार मोरे, आरक्षक ट्रेड पुलिस अधीक्षक कार्यालय ग्वालियर सुरेन्द्र कुमार भटेले, सहायक उप निरीक्षक कोतवाली उज्जैन चंद्रभान सिंह चौहान, आरक्षक ट्रेड 23वीं वाहिनी भोपाल रवि भूषण वर्मा, प्रधान आरक्षक 14वीं वाहिनी ग्वालियर रामेश्वर दयाल यादव, प्रधान आरक्षक पुलिस अकादमी भौंरी भोपाल नारायण

मथुरा-वृंदावन और प्रयागराज भी तीर्थदर्शन योजना में शामिल

भोपाल,यशभारत। मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार अब प्रदेशवासियों को मथुरा-वृंदावन और प्रयागराज की यात्रा भी कराएगी। सरकार ने इन स्थानों को भी मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना में शामिल किया है। बुधवार को धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग ने इसकी अधिसचूना जारी की। जल्द ही इन स्थानों पर भी तीर्थयात्रियों को भेजा जाएगा। प्रदेश में 2021 से प्रारंभ मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना में अभी तक सात लाख 62 हजार 144 तीर्थ यात्रियों को यात्रा कराई जा चुकी है। नवंबर तक 19 ट्रेनों से 42 जिलों के 19 हजार 144 यात्रियों को तीर्थ यात्रा कराई जा चुकी है। 20 ट्रेनें जल्द ही भेजी जाएंगी। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि योजना में नए तीर्थ की मांग को लेकर कलेक्टरों से जानकारी मांगी गई थी। अधिकतर जिलों से मथुरा-वृंदावन और प्रयागराज को शामिल करने की मांग प्राप्त हुई।

मध्य प्रदेश से जोधइया बाई, डा डावर, रमेश परमार और शांति परमार को पद्मश्री

भोपाल,यशभारत। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पद्म पुरस्कार विजेताओं के नाम की घोषणा कर दी गई है। इसमें मध्य प्रदेश से चार नाम हैं। उमरिया जिले की जोधइया बाई को कला के लिए, जबलपुर के डाक्टर एमसी डावर को चिकित्सा में कार्य के लिए और रमेश व शांति परमार को कला के लिए पद्मश्री पुरस्कार से नवाजा गया है। झाबुआ के दंपती रमेश-शांति परमार को पद्मश्री पुरस्कार के लिए चुना गया है। दोनों 30 वर्षों से आदिवासी गुड़िया बना रहे हैं। शांति बताती हैं कि जनजातीय परियोजना के तहत आदिवासी गुड़िया बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता था। ससुर और अन्य स्वजन के सहयोग से उन्होंने यह विधा सीखी। बाद में यही विधा परिवार की आजीविका का साधन बन गई। अपनी कला को निखारने और उसे लगातार आगे बढ़ाने में ही पति-पत्नी लगे हुए हैं। रमेश का कहना हैं कि उन्हें सरकारी विभागों से मोबाइल पर पद्मश्री मिलने की सूचना मिली है। इसके बाद परिवार में छाई हुई है।

कर्मचारियों के भत्ते बढ़ाने पर 10 साल बाद मंथन करेगी सरकार

भत्तों में वृद्धि के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई, दो माह में सौंपेगी प्रतिवेदन

भोपाल,यशभारत। मध्य प्रदेश के कर्मचारियों का गृह भा?ा, यात्रा भत्ता, सचिवालयीन कार्य भत्ता सहित अन्य भत्ते ब?ाने पर राज्य सरकार 10 साल बाद विचार करेगी। इसके लिए राज्य शासन ने सचिव वित्त की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति बना दी है, जो सभी तथ्यों पर विचार करते हुए दो माह में अपना प्रतिवेदन सौंपेगी। बता दें कि प्रदेश में नियमित और संविदा मिलाकर आठ लाख 37 हजार कर्मचारी हैं, जिन्हें विभिन्न् भत्तों की पात्रता है।

इससे पहले सरकार ने कर्मचारियों को दिए जाने वाले भत्तों की दरों में वर्ष 2012 में वृद्धि की थी। उस समय गृह भा?ा भत्ता छठे वेतनमान के आधार पर दिया गया था, जो सात लाख की आबादी वाले क्षेत्र में वेतन का 10 प्रतिशत, तीन से पांच लाख की आबादी वाले क्षेत्र में सात प्रतिशत, 50 हजार से तीन लाख आबादी वाले क्षेत्र में पांच प्रतिशत और 50 हजार से कम आबादी वाले क्षेत्र में तीन प्रतिशत था। वहीं वाहन भत्ता 50 रुपये से बढ़ाकर दो सौ रुपये किया गया था। पेट्रोल सहित खाद्य पदार्थों के बढ़ते दामों के चलते कर्मचारी पिछले छह साल से भत्ते बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। अब शासन ने इस पर ध्यान दिया है।

सातवां वेतनमान वर्ष 2016 में दिया गया

तीन सदस्यीय समिति सभी पक्षों को सुनने और उन पर मंथन करने के बाद अपनी अनुशंसा करेगी। पहली बार बनाई गई समिति कर्मचारी नेता उमाशंकर तिवारी कहते हैं कि विभिन्न् भत्तों की दरों में वृद्धि के लिए पहली बार समिति बनाई गई है। इससे पहले कभी ऐसा नहीं हुआ। वे कहते हैं कि सरकार ने छठा वेतनमान कर्मचारियों को वर्ष 2006 में दिया था और भत्तों में वर्ष 2012 में वृद्धि की गई। ऐसे ही सातवां वेतनमान वर्ष 2016 में दिया गया है और अब जाकर भत्तों की दरों में वृद्धि पर चर्चा शुरू हुई है।

मध्य प्रदेश में मंदिरों के 500 मीटर के दायरे से हटेंगी शराब दुकानें

भोपाल यशभारत। मध्य प्रदेश में मंदिरों के 500 मीटर के दायरे से शराब दुकानें हटेंगी। सरकार नई आबकारी नीति में यह प्रविधान करने जा रही है कि मंदिर के 500 मीटर की परिधि में शराब दुकान नहीं खोली जा सकेगी। पिछले दिनों भाजपा नेता उमा भारती ने ओरछा के प्रमुख प्रवेश द्वार पर शराब दुकान खोले जाने को लेकर विरोध जताया था। उन्होंने दुकान खुली होने पर गोबर छि?कर विरोध जताया था। सरकार वर्ष 2023-24 की नीति में दुकानों का नवीनीकरण 10 प्रतिशत शुल्क अधिक लेकर करेगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में एक अप्रैल से नई आबकारी नीति लागू होगी। वाणिज्यिक कर विभाग इसकी तैयारियों में लगा है। मुख्यमंत्री के साथ विभागीय अधिकारियों की एक दौर की बैठक हो चुकी है। सूत्रों का कहना है कि मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों से पांच सौ मीटर की परिधि में शराब दुकान खोलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अभी 50 मीटर के दायरे में शराब दुकानें नहीं खोलने का प्रविधान है ।

भोपाल में तेज बारिश, इंदौर भी भीगा

आज भी 32 जिलों में पानी गिरेगा, ग्वालियर-चंबल खूब भीगेगा, 28 से नया सिस्टम

भोपाल, यशभारत। मध्यप्रदेश के ज्यादातर शहरों में बारिश का दौर आज भी जारी है। भोपाल में रातभर बारिश होती रही। आज सुबह भी बादल हैं और बूंदाबांदी हो रही है। भोपाल शहर में पिछले 24 घंटे में 1.22 इंच बारिश रिकॉर्ड हुई है। मौसम विभाग ने भोपाल, इंदौर, ग्वालियर समेत प्रदेश के 32 जिलों में आज भी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। ग्वालियर-चंबल के जिलों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश हो सकती है। 24 जनवरी से नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव है। इस कारण प्रदेशभर के ज्यादातर इलाकों में कहीं हल्की, तो कहीं तेज बारिश हो रही है। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि प्रदेश में हल्की बारिश का दौर 28 जनवरी के बाद भी जारी रह सकता है। इस माह का तीसरा सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ 28 जनवरी को आ रहा है। इससे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बर्फबारी होगी। 29 जनवरी को यह चरम पर रहेगी। 31 जनवरी से फिर मैदानी इलाकों में पारा घटेगा और सर्दी ब?ेगी। दरअसल, उत्तर-पश्चिमी, पूर्वी और मध्य भारत में 4-5 दिन से बादल की आवाजाही और हवा की दिशा बदलने से तापमान ब? रहा था। 27 और 28 को तापमान में फिर गिरावट आएगी।

बारिश की सबसे बड़ी वजह...

वेस्टर्न डिस्टरबेंस के अलावा पंजाब में इंड्यूज्ड साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। पूर्वी राजस्थान और मध्यप्रदेश होती हुई विदर्भ तक एक ट्रफलाइन गुजर रही है। यह ट्रफलाइन अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी खींच रही है, इसलिए मध्यप्रदेश के कई हिस्सों में बारिश हुई।

आज इन शहरों में बारिश की संभावना

ग्वालियर-चंबल संभाग के जिले ग्वालियर, अशोकनगर, शिवपुरी, दतिया, गुना, मुरैना, श्योपुर और भिंड में हल्की तेज बारिश होने की संभावना है। भोपाल, रीवा और सागर संभाग के जिले भोपाल, सीहोर, रायसेन, राजगढ़, विदिशा, रीवा, सिंगरौली, सीधी, सतना, सागर, छतरपुर, दमोह, पन्ना और टीकमगढ़ में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। इंदौर, उज्जैन, देवास, नर्मदापुरम, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, धार, अनूपपुर और शहडोल में कहीं-कहीं हल्की बारिश के चांस है।

भोपाल में पहले भी होती रही है गणतंत्र दिवस पर बारिश

साल 2015 में भोपाल में 25 जनवरी, 26 जनवरी और 27 जनवरी को लगातार तीन दिन तक पानी गिरा था। 25 और 26 जनवरी को तो 2-2 मिलीमीटर, जबकि 27 जनवरी को हल्की रिमझिम हुई थी। 2017 में न्यूनतम तापमान सबसे अधिक रहे थे। 2022 में 25 जनवरी से लेकर 27 जनवरी तक रात का पारा 6 डिग्री सेल्सियस तक था। दिन का पारा भी 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा था। आधे भोपाल की बिजली गुल, कॉल सेंटर में फोन तक नहीं उठे।

भोपाल में ऐशबाग और 5 नंबर बस स्टॉप कॉलोनी का सबसे पहले री-डेवलपमेंट, करीब एक हजार करोड़ होंगे खर्च

भोपाल,यशभारत। री-डेवलपमेंट की नीति के तहत नए घर बनाने का काम प्रदेश की पांच कॉलोनियों से होने जा रहा है। इसमें भोपाल में हाउसिंग बोर्ड की दो कॉलोनी ऐशबाग और पांच नंबर बस स्टॉप की बिल्डिंग (कमर्शियल व रहवासी) शामिल है। इनमें रहवासी संघ के गठन के साथ बैठकें शुरू हो गई हैं।

इंदौर की एलआईजी कॉलोनी, नेहरू नगर तो जबलपुर में एक हाथी ताल कॉलोनी को पहले चरण में री-डेवलपमेंट के लिए लिया गया है।छह महीने के भीतर रहवासी संघ के गठन व बैठकों के साथ 51त्न सदस्यों की सहमति लेकर टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। अनुमान है कि पहले चरण में री-डेवलपमेंट के लिए ली गई पांच कॉलोनियों पर एक हजार करोड़ रुपए का खर्च आएगा। इसमें पुरानी बिल्डिंग गिराने, मलबा हटाने, नई बिल्डिंग बनाने और प्रोजेक्ट के दौरान विस्थापित किए गए मकान मालिकों को किराए का भुगतान शामिल है। पांच नंबर बस स्टॉप कॉलोनी में कमर्शियल स्पेस भी दिया जाएगा।

बता दें कि दिसंबर 2022 के पहले सप्ताह में ही कैबिनेट ने मप्र री-डेवलपमेंट पॉलिसी 2022 को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। री-डेवलपमेंट के लिए इस समय सबसे ज्यादा प्रॉपर्टी हाउसिंग बोर्ड के ही पास है।

सरकार खुद बनाने की तैयारी में

री-डेवलपमेंट पॉलिसी में प्रावधान है कि निजी फर्म भी चाहें तो काम कर सकती हैं, लेकिन बोर्ड की तमाम कॉलोनियों का काम बोर्ड ही करने की तैयारी में हैं। इसलिए एक नई व्यवस्था प्रस्तावित है, जिसमें पुराने या जर्जर भवन को गिराने के बाद रिक्त हुई भूमि के आधे हिस्से में ब? मकान बनाए जाएंगे, जो मौजूदा भवन मालिकों को मिलेंगे। शेष जमीन पर अलग टॉवर ख?ा होगा, जिसके सभी फ्लैट हाउसिंग बोर्ड के अधीन होंगे। इस नई व्यवस्था पर जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा। हालांकि इसमें एक विकल्प रखा जाएगा कि यदि कोई निजी फर्म भी आगे आती है तो उस पर एक बार विचार होगा।

अगले चरण में होंगे 15 से 20 प्रोजेक्ट

बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि पहले पांच प्रोजेक्ट के बाद अगले चरण के लिए 15 से 20 प्रोजेक्ट और तैयार होंगे। हाउसिंग बोर्ड की मप्र में ऐसी 50 कॉलोनियां हैं, जिन्हें री-डेवलपमेंट में लिया जाएगा। इसमें 3 से 5 साल का वक्त लग सकता है।

गणतंत्र दिवस पर शान से लहराया तिरंगा

फोटो-रज्जी शुक्ला

विद्यालयों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए

बेलखाडू, यशभारत। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर बेलखाडू क्षेत्र के सभी सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों में शान से तिरंगा लहराया जश्न ए आजादी की याद में युवा छात्र छात्रा तथा आम लोग डूबे रहे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलखाडू में प्राचार्य प्रमोद श्रीवास्तव ने ध्वजारोहण किया इस अवसर पर छात्र छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी। मोहास ग्राम पंचायत भवन आंगनवाड़ी केंद्र एवं शासकीय स्कूल नगना बघोड़ी झगरा आदि स्कूलों में ध्वजारोहण किया गया वही पुलिस चौकी बेलखाडू में प्रधान आरक्षक प्रदीप गौतम ने पुलिस स्टाफ की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया। शिवभारती स्कूल बेलखाडू में डॉक्टर रमेश चतुर्वेदी ने ध्वजारोहण किया। शासकीय स्कूल बिलखरवा में ध्वजारोहण किया, बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी एसबीआई बैंक बेलखाडू शाखा में प्रबंधक अतुल पटेल ने ध्वजारोहण किया।

सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी ने 100 दिन लगातार विद्युत उत्पादन का बनाया रिकार्ड

दो इकाईयों का पीएएफ 100 फीसदी और पीएलएफ 98 फीसदी से अधिक

जबलपुर, यशभारत। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी के विद्युत गृह क्रमांक चार की 250-250 मेगावाट स्थापित क्षमता की इकाई क्रमांक 10 व 11 ने गत दिवस लगातार 100 दिन तक विद्युत उत्पादन करने में सफलता हासिल की है। ये दोनों इकाईयां विगत वर्ष से सतत विद्युत उत्पादन कीर्तिमान बना रही है हैं। इससे पूर्व इकाई क्रमांक 10 ने लगातार 213 दिन और इकाई क्रमांक 11 ने लगातार 202 दिन व 113 दिन तक विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड कायम किया था। पीएएफ और पीएलएफ में कमाल किया दोनों इकाईयों ने-सारनी की इकाई क्रमांक 10 द्वारा 100.8 प्रतिशत पीएएफ (प्लांट अबेविलिटी फेक्टर) व 98.5 प्रतिशत पीएलएफ (प्लांट लोड फेक्टर) हासिल किया गया। वहीं इकाई क्रमांक 11 को 101 प्रतिशत पीएएफ और 98.7 प्रतिशत पीएलएफ अर्जित करने में सफलता मिली।अन्य विद्युत इकाईयों ने भी बनाए हैं लगातार विद्युत उत्पादन के कीर्तिमान-मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के विभ?िन्न ताप विद्युत गृहों की इकाईयों ने इससे पूर्व लगातार विद्युत उत्पादन करने के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह खंडवा की 600 मेगावाट क्षमता की इकाई क्रमांक एक 233 दिन, 660 मेगावाट क्षमता की इकाई क्रमांक चार 102 दिन और संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 210 मेगावाट क्षमता की इकाई क्रमांक तीन ने 119 दिन, 210 मेगावाट क्षमता की इकाई क्रमांक चार ने 130 दिन और इसी इकाई ने लगातार 124 दिन विद्युत उत्पादन करने का कीर्तिमान रचा है।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
बीडी शर्मा
प्रदेश अध्यक्ष
राकेश सिंह
सांसद
रानू तिवारी
भाजपा जिला ग्रामीण अध्यक्ष
राकेश पटेल
आर्थिक प्रकोष्ठ भाजपा जिला संयोजक

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रदीप पटेल
सरपंच
चंद्रशेखर पटेल
सचिव
अरविंद पटेल
रोज़ सहा.
ग्राम पंचायत नगना, जनपद पंचायत पनागर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. जी आर भगत

सांई हॉस्पिटल
इनफर्टिलिटी लेप्रोस्कोपी एवं सांई टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर
डॉ. श्रीमति राखी बाजपेयी
MBBS,MS. (OBS & GYM)
टेस्ट ट्यूब बेबी, बांझपन व गायनिक एण्डोस्कापी में उच्च प्रशिक्षित
दूरबीन द्वारा ऑपरेशन से ना चीरा ना रक्तस्त्राव शीघ्र स्वस्थ जल्टी छुट्टी
Dip advanced Gynaec Endoscopy [France]
इक्सी, टेस्ट ट्यूब सेंटर, दूरबीन द्वारा बांझपन का निदान, बंद ट्यूब व टीटी ऑपरेशन खोलना, दूरबीन द्वारा बच्चादानी(टीएलएच), ओवरी की सिस्ट नली में ठहरे गर्भ व बच्चेदानी के ट्यूमर का इलाज व ऑपरेशन, कृत्रिम गर्भाधान IUI IVF ICSI व सुरक्षित गर्भपात।
सबसे सस्ता अत्याधुनिक मल्टीस्पेशलिटी चिकित्सा संस्थान
कांचघर चौक, रेलवे स्टेशन रोड जबलपुर-8770186650, 7987619550
पथरी, हार्निया, एपेन्डिक्स, पाइल्स, गाल ब्लेडर, बच्चेदानी, स्तन की गठान, बंद ट्यूब गर्भधान इत्यादि सभी आपरेशन व इलाज की सुविधा

महाकौशल का सबसे आधुनिक ICU, जबलपुर में आपकी सेवा में 24 घंटे
LIFE CARE ICU, Mukherjee Hospital
Life Care ICU
हमारे यहां उपलब्ध विशेषज्ञों की टीम व सुविधाएं
डॉ अभिजीत मुखर्जी (वरिष्ठ हड्डी रोग एवं ट्रामा विशेषज्ञ)
डॉ प्रशांत कुशवाहा (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन)
डॉ तरून नागपाल (वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट)
डॉ एम. चंसोरिया (वरिष्ठ ICU विशेषज्ञ)
डॉ नेहा चंसोरिया B.D.S, M.D.S. (वरिष्ठ दंत एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ)
डॉ विशाल वडेरा (वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ)
डॉ अखिलेश पटेल (छाती एवं स्वांस रोग विशेषज्ञ)
सुविधाएं
हड्डी की चोट का इलाज व ऑपरेशन, सिर की चोट, हेड इन्जूरी, रीढ़ की हड्डी की चोटों का इलाज व ऑपरेशन, लकवा, मिर्गी एवं दिमागी बुखार का इलाज, जहरीली वस्तु का सेवन (Poison Unit), सर्पदंश उपचार, गंभीर लीवर की बिमारी, किडनी की बीमारी (पथरी), डायलिसिस सुविधा उपलब्ध, हर प्रकार के पेट के रोगों का ऑपरेशन,Burn Unit (जले हुए मरीजों का इलाज), महाकौशल के सबसे आधुनिक वेन्टीलेटर उपलब्ध, 24 घंटे डायलिसिस की सुविधाएं
1933, प्रेम मंदिर के पास, राइट टाउन, जबलपुर
07614038666, 7049079825
9300920067

14 आयुर्वेदिक दर्दनाशक तेलों का मिश्रण
मामजेसिक
तीव्र दर्दनाशक तेल / क्रीम
कमर, पीठ, गर्दन, जोड़ों एवं घुटने का दर्द, कंधे एवं कूल्हों का दर्द, अंदरूनी चोट, मोच-सूजन, माँसपेशियों में खिंचाव-लचकना, पिंडलियों, पंजों, हड्डियों एवं पसलियों में दर्द, हाथ-पैर में झुनझुनी, कम्पन्न, कमजोरी, जाँघों में दर्द हेतु अत्यंत प्रभावशाली एवं गहराई तक असरकारक...
मामजेसिक
Mamgesic
लकवा रोगियों हेतु अत्यंत लाभदायक
मामजेसिक
तीव्र दर्दनाशक तेल / क्रीम
सभी मेडीकल स्टोर्स में उपलब्ध
9826035091

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
भारतीय जनता पार्टी
विधायक कार्यालय सिहोरा

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सरपंच संगठन अध्यक्ष प्रदीप पटेल जनपद पंचायत पनागर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सत्येंद्र सिंह ठाकुर
जिला पंचायत सदस्य
शिव पटेल
सरपंच संगठन अध्यक्ष
जनपद पंचायत पाटन

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2023 की हार्दिक शुभकामनाएं
स्वच्छ भारत-स्वच्छ भेड़ाघाट
मा. राकेश सिंह
सांसद
मा. संजय यादव
विधायक
नगर परिषद, भेड़ाघाट, जबलपुर
सांसद प्रतिनिधि-अनिल तिवारी, विधायक प्रतिनिधि- संजू यादव, प्रेसीडेन्ट इन काउंसिल-श्रीमति मीनाक्षी सिंह, काजल दुबे, नरबदा बाई यादव निरंजन भुमियां, रमेश यादव
पार्षदगण
श्रीमति संध्या सिंह ठाकुर, अनिकेत आदिवासी, सजल तिवारी, सुनीता मरावी, विमला देवी, ग्यारसी बाई, अजय पटेल, महेश प्रसाद तिवारी
मा. चतुर सिंह लोधी
अध्यक्ष
मा. जगदीश दाहिया
उपाध्यक्ष

74th INDIA REPUBLIC DAY
गणतंत्र दिवस
के शुभ अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य से प्राचार्य महोदय एवं समस्त शासकीय महाविद्यालय
श्री ए.के.सिन्हा
शास.स्नातकोत्तर महाविद्यालय गढ़ाकोटा

74th INDIA REPUBLIC DAY
गणतंत्र दिवस
के शुभ अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य - सी.एम.ओ./समस्त कर्मचारी
नगर पालिका परिषद,गढ़ाकोटा

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रद्धा कतिया
सदस्य शिक्षा समिति मंडला

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
राजेश पटेल
समाज सेवी, वरिष्ठ भाजपा नेता

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
मनीषा तिवारी
महात्मा गांधी वार्ड मंडला

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य से- प्राचार्य एवं समस्त सीएस राईजिनिंग साबूलाल उ.मा.विद्यालय गढ़ाकोटा

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
गोलू तिवारी
मंडला

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
मध्यप्रदेश जर्नलिस्ट यूनियन, रीवा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
पुलिस अधीक्षक
मंडला
नगर निरिक्षक
कोतवाली मंडला

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
दीपक झारिया सरपंच
ग्राम पंचायत बिलखरवा
रितेश सेन विक्रेता
शासकीय उचित मूल्य की दुकान, बिलखरवा

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
दीपक झारिया सरपंच
ग्राम पंचायत बिलखरवा
राजेश यादव, सचिव
ग्राम पंचायत, बिलखरवा

74th INDIA REPUBLIC DAY
गणतंत्र दिवस
के शुभ अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य -सी.ई.ओ./अध्यक्ष-ज.पं.रहली

मध्यम वर्गीय महिलाओं की पहचान है मेहनत

नई दिल्ली, एजेंसी। कामकाजी महिलाएं अपना सपोर्ट सिस्टम बनाने के लिए कितना कुछ खर्च कर देती हैं। बच्चे के रखरखाव के लिए फुल टाइम मेड रखना बहुत मंहगा है। बच्चे को क्रेच छोड़ना भी अच्छी खासी मशक्कत है। उसे लाना ले जाना तो भारी पड़ता ही है। इस सेवा का भुगतान करना भी कोई कम मंहगा नहीं। उस पर ट्यूशन का भी खर्च है। इसके साथ ही कपड़ों की धुलाई, ट्रांसपोर्ट और अन्य ढेर सारे खर्चे ऐसे हैं जिन्हें महिलाएं घर में रहने पर बचा सकती हैं। फिर अपनी मेंटीनेंस भी तो है। बाहर निकलने के लिए अच्छे कपड़े, फुटवियर और कॉस्मेटिक्स भी चाहिए। जितनी तनख्वाह है कमोबेश बाहर आने की लागत में ही खर्च हो जाती है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि वे अपनी भागदौड़ किसलिए बनाए हुए हैं? ऐसी कोई संतुष्टि तो है जो उन्हें इतना कुछ करने का हौसला देती है। दुनियाभर की मुश्किलों का सामना करने का साहस देती है।

बढ़ जाती है अहमियत

एक सैटिसफैक्शन है कि सोसाइटी को कुछ दे रहे हैं। बारह महीने में अगर 120 बच्चों को भी अच्छी तरह से पढ़ा दूं तो लगता है कि कुछ प्राप्त किया है। बेहतर समाज के निर्माण में कोई भूमिका निभाई है। कहती हैं अध्यापिका सरिता दास। वह ग्यारह साल तक हाउसवाइफ रहीं, सभी कुछ ठीक था, लेकिन अपनी पहचान बनाने और समाज को अपनी सेवाएं देने के उद्देश्य से उन्होंने आखिर जॉब करने की ठान ली। वह मानती हैं कि जब घर में थीं तब भी उनका खर्चा अच्छा चलता था और बाहर निकलने पर अब उनके खर्चे बढ़ गए हैं, लेकिन अपनी जिंदगी में आए बदलावों से वह खुश हैं। वह कहती हैं, मैंने देर से नौकरी शुरू की। जब बच्चा चार साल का हो गया तब। जॉब करने के बाद मुझे ऐसा लगा जैसे मेरी अहमियत बढ़ गई है। समाज में हाउसवाइफ को इतनी इज्जत नहीं मिलती जितनी मिलनी चाहिए। दूसरे, अब मेरे पास गॉसिप्स के लिए टाइम ही नहीं है। घर में किचकिच, पति से आरग्यूमेंट और इनलॉज के साथ बहस करने का तो अब समय ही नहीं होता। काम करने का सैटिसफैक्शन भी है और घर में शांति का सुकून भी।

अपनी आइडेंटिटी के लिए

सरिता दास के बेटे ने फोटोग्राफी को अपना प्रोफेशन चुना है। बेटे के कैमरे और अन्य सामानों पर उन्हें लाखों खर्च करना पड़ा। इस खर्च को वह मैनेज कर पाई, कहीं से लोन नहीं लेना पड़ा, इसकी खुशी है उन्हें। बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलवाना हर माता-पिता की ख्वाहिश होती है। आमतौर पर घर के लाइफस्टाइल में बदलाव लाने और बच्चों के लिए ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं जुटाना भी महिलाओं की जॉब का सबब बनता है। इसके लिए उन्हें कई तकलीफों का सामना करना पड़ता है, खर्चा भी बढ़ता है, लेकिन वे अपनी जॉब को रेगुलर रखती हैं। हां, जब उन्हें लगता है कि नन्हें बच्चे को उनकी ज्यादा जरूरत है तो वे ब्रेक लेने से भी परहेज नहीं करतीं। पुणे की एक कंपनी की रिक्रूटमेंट स्पेशलिस्ट ऋचा पटनायक कहती हैं, मुझे अपने छोटे बच्चे को क्रेच में छोड़ना पड़ता था। पास में कोई फैमिली मेंबर नहीं था उसकी देखभाल के लिए। बच्चे की मुश्किलें देखकर मुझे जॉब छोड़नी पड़ी, लेकिन घर पर मुझे अपनी जिंदगी अनार्थक लगने लगी। मुझे महसूस होने लगा कि ज्यादा अर्न करेंगे तभी तो बच्चे को अच्छी शिक्षा दिलवा सकेंगे। उन्हें अच्छे स्तर की परवरिश दे सकेंगे। जब दिल्ली से मम्मी मेरे पास रहने के लिए आ गईं, तब फिर से मैंने नौकरी जॉएन कर ली। नो डाउट मुश्किलें बहुत हैं, लेकिन अपनी आइडेंटिटी भी तो है, जो दिल को खुशी देती है।

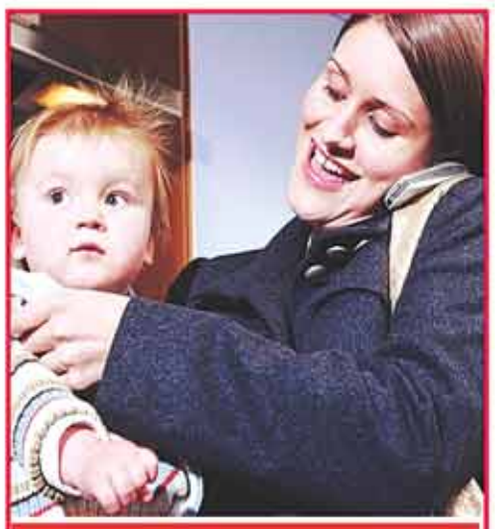

महिलाएं अब पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आत्मविश्वास से खरीददारी करती हैं। उनकी खरीददारी महज अपने लिए नहीं, परिवार की जरूरतें पूरी करने के लिए भी होती है। समझदारी से खर्च करने का यह गुण भी उनमें पुरुषों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। सरिता कहती भी हैं, जॉब में आने के बाद इकोनॉमिक इंडिपेंडेंस तो आई ही है।

आर्थिक आजादी है मुद्दा

आर्थिक आजादी की चाहत भी महिलाओं को घर से बाहर निकलकर नौकरी के विकल्प ढूंढने के लिए प्रेरित करती है। एक मार्केट रिसर्च फर्म के मुताबिक शहरी महिलाओं की आमदनी में वृद्धि हुई है। यह तकरीबन दोगुनी हो गई है। रिसर्च के मुताबिक इस बदलाव का सीधा असर महिलाओं की हैसियत और घर के रखरखाव पर पड़ता दिख रहा है। महिलाएं अब पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आत्मविश्वास से खरीददारी करती हैं।

उनकी खरीददारी महज अपने लिए नहीं, परिवार की जरूरतें पूरी करने के लिए भी होती है। समझदारी से खर्च करने का यह गुण भी उनमें पुरुषों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। सरिता कहती भी हैं, जॉब में आने के बाद इकोनॉमिक इंडिपेंडेंस तो आई ही है। पहले हर छोटी से छोटी चीज के लिए पति से पैसे मांगने पड़ते थे। छोटी-छोटी बात के लिए भी पूछना पड़ता था। अब खुद भी खरीद सकती हूं। कुछ ऐसा ही ऋचा भी कहती हैं, खर्चे बढ़े हैं तो माइनस-प्लस करेंगे, लेकिन जॉब करते हैं तो हाथ खुला रहता है। जब मन करे तब जो चाहो खरीद लो।

डायबिटीज उपचार के लिए आयुर्वेदिक उपाय

नई दिल्ली, एजेंसी।

विजयसार पेड़ की छाल मधुमेह रोगियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह न केवल रक्त में शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करती है, बल्कि इंसुलिन के स्राव को बढ़ावा देने और शरीर से अतिरिक्त वसा को बाहर निकालने में प्रभावी है। यह रक्त में स्वस्थ लिपिड स्तर को बनाए रखती है और मधुमेह के साथ जुड़ी विभिन्न जटिलताओं से भी बचाती है। आयुर्वेदिक ग्रंथों और आधुनिक वैज्ञानिक शोध के अनुसार विजयसार मधुमेह के लिए एक उत्कृष्ट जड़ी बूटी है। आप पानी के साथ इसकी छाल के चूर्ण या पाउडर का उपयोग कर सकते हैं। आप हर्बल छाल गिलास भी पी सकते हैं। बस बिस्तर पर जाने से पहले हर्बल छाल गिलास में पानी भरें और इसे रात भर छोड़ दें। अगली सुबह यह पानी पिएं जिसका रंग अब तक भूरे रंग में बदल चुका होगा। यह मधुमेह रोगियों के लिए एक विशेष उपाय है।

गुड़मार

हिंदी में गुड़मार का मतलब है 'चीनी का नाश' और पारंपरिक रूप से गुड़मार मधुमेह के इलाज के लिए आयुर्वेद में इस्तेमाल किया जाता है। यह रक्त में शर्करा के स्तर को कम करने और शरीर में इंसुलिन बढ़ने में सहायक होता है। यह अवशोषण और वसा में चीनी के रूपांतरण की प्रक्रिया को धीमा कर देता है। यह शरीर की चयापचय गतिविधियों का समर्थन करता है, वज़न का संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है और रक्त में कोलेस्ट्रॉल के सही स्तर को भी बनाए रखता है। दैनिक रूप से गुड़मार की कुछ पत्तियों को चबाना या 400 मिलीग्राम गुड़मार चूर्ण से चाय बनाकर पीना आपके रक्त प्रवाह में चीनी मारने के लिए काफी है।

त्रिफला

त्रिफला रोगों के इलाज के लिए आयुर्वेद में सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली जड़ी बूटियों में से एक है। जैसा की इसके नाम से पता चलता है कि यह तीन फलों का एक संयोजन है। ये सभी तीन शक्तिशाली जड़ी बूटी हैं और त्रिफला इन तीनों के बहुमूल्य औषधीय गुनो को मिलाती है। यह अग्न्याशय के कामकाज का समर्थन करती है और इंसुलिन के स्राव को बढ़ावा देती है। आप गर्म पानी के साथ 1-2 चम्मच त्रिफला चूर्ण का उपभोग कर सकते हैं या यह बेहतर होगा अगर आप इसे लेने से पहले एक विशेषज्ञ या डॉक्टर से परामर्श करें।

जामुन

जामुन या काले बेर में ग्लाइकोसाइड होता है जो रक्त शर्करा के स्तर पर रोक लगाने में मदद करता है। यह मधुमेह के लिए एक शक्तिशाली जड़ी बूटी के रूप में कार्य करता है और चीनी को ऊर्जा में परिवर्तित करके मधुमेह के प्रभाव को खत्म करता है। तो जल्दी से अपने रसोई घर की ओर जाएँ और जामुन के बीजों को पीसकर एक महीन पाउडर बनाएं और दैनिक रूप से 3 ग्राम पाउडर मट्ठे के साथ दो बार लें।

करेले का रस

हर सुबह खाली पेट एक कप करेला का रस पीने से शर्करा के स्तर को कम करने में मदद मिलती है और लगातार पेशाब से राहत भी मिलती है। इसमे एक सक्रिय घटक है जिसे चरन्तिन (charantin) कहते हैं जो सबसे अधिक प्रभावी रूप से रक्त में शर्करा के स्तर को कम करने में मदद करता है। आप इसके बीज को बाहर निकालकर एक महीन करेला पाउडर बनाकर दैनिक रूप से इसका उपभोग भी कर सकते हैं।

शिलाजीत

शिलाजीत रक्त में ग्लूकोज़ को जमा होने से रोकता है और स्वस्थ रक्त शर्करा के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है। यही कारण है कि यह 'मधुमेह विनाशक' के रूप में भी जाना जाता है। यह अग्न्याशय के कामकाज और इंसुलिन के स्राव को बढ़ावा देने में मदद करता है और बाहरी इंसुलिन पर निर्भरता कम करने में भी सहायक है। यह मधुमेह तंत्रिकाविकृति (neuropathy) में उपयोगी है और यह मधुमेह की वजह से थकान पर काबू पाने में भी मदद करता है। आप दैनिक रूप से 100mg शिलाजीत चूर्ण का उपभोग कर सकते हैं।

हल्दी

हल्दी अपनी शक्तिशाली चिकित्सा शक्तियों के लिए जानी जाती है और हर किसी के रसोई घर में इसका अपना विशेष स्थान है। यह रक्त में शर्करा के स्तर को कम करती है और मधुमेह के मूल कारणों को हल करने में भी मदद करती है। प्रभावी और जल्दी परिणाम के लिए आँवला और हल्दी को मिला सकते हैं। बस आप अपने आहार में हल्दी की 2-3 ग्राम खुराक शामिल करे और इसके लाभ का आनंद लें।

नीम के पत्ते

नीम के पत्ते औषधीय मूल्य से भरे हुए हैं और ये आसानी से उपलब्ध भी हो जाते हैं। नीम कफ दोष का संतुलन बनाए रखता है और इंसुलिन अर्क पर निर्भरता को कम करता है। वैदिक और पारंपरिक स्वास्थ्य से संबंधित शास्त्रों में उल्लेख किया गया है कि नीम मधुमेह की हालत में सुधार करता है। यह न केवल शरीर में शर्करा के स्तर को कम करता है, बल्कि रक्त के प्रवाह को सामान्य बनाकर हृदय विकार जैसी जटिलताओं को रोकने में भी मदद करता है। आप नीम के 4-5 पत्ते चबा सकते हैं या इनका रस भी पी सकते हैं। (और पढ़ें ⇒ नीम के फायदे और नुकसान)

मेथी के बीज

मेथी के बीज में ट्राइगोनैलीन (trigonelline) और अल्कालॉयड (alkaloid) होते हैं जो रक्त से अधिक मूत्र बाहर कर रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में सहायक हैं। यह पाचन और कार्बोहाइड्रेट के अवशोषण की प्रक्रिया को भी धीमा करते हैं और शरीर के शर्करा या ग्लूकोज़ के इस्तेमाल करने के तरीके में सुधार लाते हैं। मेथी के बीजों को पीसकर एक महीन पाउडर बनाएं और रोज़ सुबह एक चम्मच का सेवन करें। आप इसकी चाय भी पी सकते हैं या इसे अपने भोजन में शामिल कर सकते हैं। लेकिन आपको इसके उपयोग से बचना चाहिए जब आप गर्भ धारण करने की कोशिश कर रहे हों, गर्भवती हों या बच्चे को जन्म दिया हो। दूसरों के लिए वैसे यह सुरक्षित है पर 6 महीने से अधिक इसके उपयोग से बचना चाहिए।

उच्च शर्करा से लड़ने में करेंगे मदद बेल के पत्ते

अगर आप अपने उच्च रक्त शर्करा के स्तर के बारे में चिंतित हैं, तो जल्दी से बेल के कुछ पत्ते तोड़े और उन्हें पीसकर उनका रस निकालें (लगभग 20 ml)। इसमे काली मिर्च की एक चुटकी मिलाएं और यह आपके रक्त में उच्च शर्करा से लड़ने में मदद करेगा।

जड़ी बूटियाँ मधुमेह के उपचार के लिए एक शक्तिशाली उपाय हैं। इन जड़ी बूटियों के नियमित रूप से उपयोग और साथ ही व्यायाम या योग करने से आप एक स्वस्थ और सुखी जीवन व्यतीत कर सकते हैं। परंतु इनमें से किसी को भी आजमाने से पहले अपने चिकित्सक से राय अवश्य लें और रक्त में शुगर की जांच नियमित कराते रहना चाहिए।

खाना-खजाना

चाइनीज पनीर

दो लोगों के लिए

बनाने की सामग्री: 100 ग्राम पनीर, 1 टे.स्पून हरी मिर्च (कटी हुई), 1 टे.स्पून लहसुन (कटा हुआ), 1 टे.स्पून अदरक (कटा हुआ), 1 टे.स्पून कॉर्न फ्लार, 4 टे.स्पून सोया सॉस, 2 टी स्पून चिली गार्लिक सॉस, 2 चुटकी चीनी, 1 टे.स्पून रिफाइंड ऑयल।

बनाने की विधि

पनीर को तेल में हल्का सा तल लें। एक बर्तन में तेल गर्म करें उसमें हरी मिर्च, लहसुन और अदरक डालकर कुछ देर तक पकाये। सोया सॉस, चिली-गार्लिक सॉस और चीनी डालकर मिश्रण को गाढ़ा होने तक पकाये। पनीर डालकर 1 मिनट तक और पकाये। गर्मागर्म सर्व करें।

मूली मकई की रोटी

दो लोगों के लिए

बनाने की सामग्री: 1 कप मक्की का आटा, 1/2 कप कसी हुई मूली, 1 टी स्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट, 1 टी स्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए तेल।

बनाने की विधि: सभी सामग्रियों को मिलाकर गरम पानी डालकर मुलायम आटा गूंथ लें। अब इस मिश्रण की लोईयां बनाकर बेल लें और गरम तवे पर दोनों तरफ से करारा सेक लें। गर्मागर्म मूली मकई रोटी देसी घी लगाकर साग या मनपसंद अचार या चटनी के साथ सर्व करें। आप चाहे तो इसके दोनों तरफ घी या तेल लगाकर इसके पराठे भी बना सकते हैं।

पूर्व का स्कॉटलैंड माना जाता है शिलांग

नई दिल्ली, ईएमएस।

गुवाहाटी से सौ किलोमीटर की दूरी पर है मेघालय की राजधानी शिलांग। 1500 मीटर की ऊंचाई पर बसा यह शहर पूर्व का स्कॉटलैंड माना जाता है। खासी पहाड़ों में बसा यह शहर खुद में प्रकृति का अद्भुत सौंदर्य समेटे हुए हैं। असम में अलग होने के बावजूद आज भी लोग इसे असम की राजधानी समझते हैं। गुवाहाटी से शिलांग के रास्ते में अनानास और पान के पेड़ अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करते हैं। शिलांग में पाइन के जंगल हैं। पहाड़ों पर घनी झाड़ियां भी ध्यान खींचती हैं। शिलांग को प्रकृति का वरदान मिला हुआ है। यहां की खूबसूरत झील और झरने प्रकृति का बेहतरीन खजाना है। बर्फ से ढकी पहाड़ियां ऐसी लगती हैं मानो सफेद चादर बिछी हो। यह अंग्रेजों का पसंदीदा हिल स्टेशन रहा है। यहां गोल्फ कोर्स और एक पोलो मैदान भी है। यहां का गोल्फ कोर्स पूरे भारत में सबसे बेहतरीन माना जाता है। शिलांग में देखने के लिए कई जगह हैं, जो बेहद मनोहारी हैं। जैसे यूनियम लेक, वार्डस लेक, लेडी हैदरी पार्क, पोलो ग्राउंड, मिनी चिड़ियाघर, एलिफेंट फॉल्स, शिलांग पीक और गोल्फ कोर्स। यहां कई वाटर फॉल्स देखने लायक है जैसे बिशॉप और बिडॉन फाल्स, गुनर फॉल्स।

वार्ड लेक- यह एक आर्टिफिशियल झील राजभवन के नजदीक है। घोड़े की नाल के आकार की इस झील पर खूबसूरत पुल बना हैं। यह झील बोटिंग के लिए प्रसिद्ध है। बोटानिकल गार्डन और म्यूजियम भी इसके पास ही है।

लेडी हैदरी- वार्ड लेक से एक किलोमीटर की दूरी पर है लेडी हैदरी पार्क। इस पार्क को जापानी गार्डन की तर्ज पर डिजाइन किया गया है।

बटरफ्लाई म्यूजियम- यहां तितलियों को पाला जाता हैं। यहां पर माउंटेड बटरफ्लाइंस और बीटल भी देखे जा सकते हैं। ये बटरफ्लाइस भारत और विदेश में पाई जाती है।

बड़ा बाजार- बड़ा बाजार यहां के आम निवासियों के रंग में रंगा रहता है। रंग बिरंगे कपड़े पहने यहां के लोग इस बाजार में समान खरीदते और बेचते देखे जा सकते है।

शिलांग पीक- शिलांग से करीब दस किलोमीटर की दूरी पर हैं- शिलांग पीक। इसे भगवान का स्थान भी कहा जाता है। 1960 मीटर की ऊंचाई से बेहतरीन दृश्य प्रस्तुत करता है। हालांकि यह क्षेत्र वायुसेना के अधीन है। इसलिए इजाजत लेना और अपनी जानकारी देना जरूरी है।

क्रीनोलाइन फाल्स- यह स्वीमिंग पूल जैसा है, जो चारों तरफ से आर्किड, बोनसाई, रॉकपूल और वाटर फिली से घिरा है। यहां स्वीमिंग करने का मजा ही अलग है।

एलिफेंट फाल्स- शहर से 12 किलोमीटर दूर यह दर्शनीय स्थल है। यहां पर चट्टानों के बची बहते दो झरने पर्यटकों का मन मोह लेते हैं। नवम्बर से मई के बीच में ये झरने सूखे पड़े होते है पर जून से लेकर अक्टूबर तक यह नजारा देखने लायक होता है।

गोल्फ क्लब- इस क्लब में 18 होल गोल्फ कोर्स और एक पोलो ग्राउंड है। 1898 में इस क्लब की स्थापना की गई। यह विश्व का सबसे बेहतरीन गोल्फ क्लब में से एक है। आसपास मौजूद पाइन और रोडोडेंड्रोन के पेड़ और मखमली घास इसे और भी खूबसूरती बनाती है।

शिलांग के आसपास कई ऐसी जगह हैं जहां आप जा सकते हैं। शिलांग से लगभग 64 किलोमीटर दूर है जैकरेम। यहां मशहूर हेल्थ रिजार्ट के साथ-साथ गर्म सल्फर झील भी है। शिलांग से 55 किलोमीटर दूर मसयंरम से चेरापूंजी से भी ज्यादा बारिश होती है। यहां का मुख्य आकर्षण हैं प्राकृतिक शिवलिंग। गुफा में मौजूद इस शिवलिंग पर प्राकृतिक रूप से पानी टपकता रहता है। यह हिंदुओं का मुख्य धार्मिक स्थल है। यहां का प्राकृतिक दृश्य दर्शनीय है। चेरापूंजी शिलांग से 56 किलोमीटर दूर हैं। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड के मुताबिक यह धरती की सबसे नम जगह है। यहां सबसे ज्यादा बारिश का रिकार्ड है। अब यह रिकार्ड मसयंरम के खाते में चला गया है। शिलांग जाने का सबसे बेहतरीन समय हैं अक्टूबर से मई के बीच। यहां जाने के लिए किसी भी यातायात माध्यम का इस्तेमाल किया जा सकता है। ●●●

20 रुपए में इलाज करने वाले डॉक्टर डावर को पद्मश्री

मुख्यमंत्री–महापौर ने सम्मानित कर कहा जबलपुर के लिए गौरव डॉक्टर डावर

जबलपुर, यशभारत। मध्यप्रदेश के जबलपुर के वयोवृद्ध डॉक्टर एमसी डावर को भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया है। यह अवॉर्ड जबलपुर में उन्हें आज मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिया। 77 वर्षीय डॉ. डावर आज भी 20 रुपए की मामूली फीस पर मरीजों का इलाज करते हैं। डॉ. डावर को पद्मश्री मिलने की खबर जैसे ही सामने आई, उन्हें बधाई देने वालों का उनके घर तांता लग गया। महापौर जगत बहादुर अन्नू ने आज पद्म श्री से सम्मानित किए गए डॉक्टर एमसी डावर को नगर निगम परिसर में शाल श्रीफल से सम्मानित किया।

इस मौके पर नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, नेता प्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल, आयुक्त आशीष वशिष्ठ मौजूद थे। संस्कारधानी जबलपुर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ एमसी डाबर को भारत सरकार द्वारा पदमश्री सम्मान से विभूषित किया जाना पूरे जबलपुर के लिए गौरव की बात है, यह बात सांसद राकेश सिंह ने पदम सम्मान की घोषणा होने पर कही। मैं अपनी ओर से और जबलपुर संसदीय क्षेत्र की जनता की ओर से डॉ डाबर को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ और इस सम्मान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करता हूँ।

सर्वत्र आन बान शान से फहराया तिरंगा

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के अवसर पर नगर में स्कूलो कालेजों, शासकीय कार्यालयों, विभिन्न संगठनों के द्वारा ध्वज वंदन किया गया। महाधिवक्ता कार्यालय में उच्च महाधिवक्ता प्रशान्त सिंह ने ध्वजारोहण किया । इस अवसर पर अतिरिक्त महाधिवक्ता आशीष आनंद बर्नाड, हरप्रीत रूपराह, भरत सिंह, उप महाधिवक्ता स्वप्निल गांगुली, अमित सेठ, श्रीमती जान्हवी पंडित, विवेक शर्मा तथा समस्त शासकीय अधिवक्ता, उप शासकीय अधिवक्ता एवं पैनल अधिवक्ता तथा कार्यालय के समस्त अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित रहे । कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन ने कलेक्टर कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर द्वारा 26 जनवरी को रानीताल स्थित भाजपा कार्यालय में भाजपा के नवनियुक्त नगर अध्यक्ष प्रभात साहू एवँ पूर्व नगर अध्यक्ष जीएस ठाकुर ने ध्वज फहराया। मध्यप्रदेश की बिजली कंपनियों के मुख्यालय में 74 वे गणतंत्र दिवस समारोह में एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक रघुराज राजेन्द्रन पाण्डुताल मैदान में ध्वज फहरा कर परेड की सलामी ली। उन्होंने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि हम सब मिल कर एक स्थायी, सुलभ, सस्ती और विश्वसनीय बिजली आपूर्ति करने के लक्ष्य को हासिल करेंगे।

महापौर ने फहराया तिरंगा

जबलपुर । 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर 8 बजे नगर निगम प्रांगण में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, अध्यक्ष रिंकू विज, नेता प्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल और निगमायुक्त आशीष वशिष्ठ के द्वारा ध्वजारोहण किया गया । इस गणतंत्र दिवस पर महापौर ने एक नई अनुकरणीय परंपरा की शुरुआत की और नगर निगम के उत्कृष्ट अधिकारियों कर्मचारियों के साथ साथ संस्कारधानी के गणमान्यजन को भी सम्मानित किया। ध्वजारोहण के समय एम आई सी सदस्य अमरीश मिश्रा,पार्षद अयोध्या तिवारी,श्रीमती प्रीति अतुल बाजपेयी,वकील अंसारी आदि मौजूद रहे।

मॉडल स्कूल में बच्चों के साथ विशेष भोज

जबलपुर, यशभारत। मुख्यमंत्री श्री चौहान गणतंत्र दिवस समारोह के बाद पंडित लज्जाशंकर झा उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मॉडल स्कूल के छात्र-छात्राओं के साथ विशेष भोज में शामिल हुए होंगे। इसके पहले मुख्यमंत्री श्री चौहान मॉडल स्कूल में ही वर्चुअल रियलिटी लेब का उद्घाटन किया।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
बिन सहकार नहीं उद्धार
गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर
जीसीएफ को-ऑपरेटिव सोसायटी सभी
सम्मानीय सदस्यों का
हार्दिक अभिनंदन करती है।
भवदीय
जसवीर सिंह भसीन अध्यक्ष
एवं समस्त प्रबंधकारिणी

Roasted Food Junction
जनता साइकिल के बाजू से बड़ी ओमती चौक, जबलपुर
न्यू शो रूम
गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
मनोज संगतानी
मो. 9301997304, 7987145201

समदड़िया बाजार
कृष्णा हाईट्स, ग्वारीघाट रोड, जबलपुर
Luxurious Commercial Shopping Complex
बुकिंग राशि 1 लाख रु. मात्र
BEST DEAL BOOK NOW
27 जनवरी 2023 से
कीमत में 25% की वृद्धि
SAMDARIYA BAZAR
SHOPS
RERA NO. P-JBP-23-3854
कीमत मात्र 15.90 लाख से प्रारम्भ
RERA Approved
Prime Location
Affordable Price
2 level Basement Parking
Power Backup for Common Area
Big Food Court on Terrace
75% Finance Available
समदड़िया बिल्डर्स प्रा. लि., होटल समदड़िया इन, रसल चौक, जबलपुर
9827754114, 9300350350

मा.अजय विश्नोई | मा. आशीष दुबे | मा. आचार्य जगेन्द्रसिंह | मा. शिवम तिवारी
गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं
आदित्य नामदेव
युवा नेता

अमित पाण्डे
गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
शिवम साहू

मा.अजय विश्नोई | मा. आशीष दुबे | मा. आचार्य जगेन्द्रसिंह | मा. देवकुमार यादव
गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं
सत्यम मेहरा (पार्षद)
वार्ड क्रमांक 10 नगर परिषद पाटन

With Best Compliments from
NARMADA GELATINES LIMITED
An ISO 9001: 2008 & ISO 22000- 2005 Company
Post Box No.-91, JABALPUR (M.P.)
Manufacturers of Edible, Pharmaceutical, Photographic Gelatines, Industrial Gelatines
Di-Calcium Phospate & Bone Meal
Phone (Factory) 0761-2830433, 2830517, 28301565
e-mail:syglibp@sancharnet.in, ngljabalpur@narmadagelatines.com
website:www.narmadagelatins.com
REGISTERED OFFICE Room No.-28 CARVAS Building 15, Civil lines, Jabalpur
BRANCH OFFICE Mumbai New Delhi Chennai & kolkata

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिंटर्स जबलपुर, 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2022-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. Email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)